बर्षः- 06
अंकः- 39
मुरादाबाद
(Saturday)
30 May 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

प्रधानमंत्री मोदी का संदेशः विनम्रता और क्षमाशीलता ही व्यक्तित्व के सच्चे आभूषण, संस्कृत सुभाषित किया साझा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर संस्कृत श्लोक साझा करते हुए कहा कि विनम्रता, क्षमाशीलता और उत्तम आचरण ही सच्चे व्यक्तित्व के आभूषण हैं। उन्होंने इसे विकसित भारत के संकल्प से जोड़ा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर एक प्रेरणादायक संस्कृत श्लोक साझा किया और जीवन मूल्यों पर महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि विनम्रता, क्षमाशीलता और उत्तम आचरण ही किसी व्यक्ति के वास्तविक आभूषण होते हैं। प्रधानमंत्री ने अपने पोस्ट में लिखा कि इन्हीं गुणों के साथ देश के नागरिक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं।संस्कृत श्लोक से दिया जीवन मूल्यों का संदेश- पीएम मोदी ने संस्कृत श्लोक तेजः क्षमा धृतिः शौचमद्रोहो नातिमानिता। भवन्ति सम्पदं दैवीमभिजातस्य भारत।। को साझा किया और इसका गहन अर्थ भी समझाया। इस श्लोक का भावार्थ यह है कि तेजस्विता, क्षमाशीलता, धैर्य, पवित्र आचरण, अहंकार रहित व्यक्तित्व और राष्ट्र के प्रति निष्ठा जैसे गुण किसी श्रेष्ठ और दैवी संपदा वाले व्यक्तित्व की पहचान होते हैं।लगातार साझा कर रहे हैं प्रेरणादायक श्लोक- गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी पिछले कुछ दिनों से लगातार सोशल मीडिया पर संस्कृत सुभाषित और श्लोक साझा कर रहे हैं। इन संदेशों के माध्यम से वे भारतीय संस्कृति, दर्शन और जीवन मूल्यों को जनता तक पहुंचा रहे हैं। एक दिन पहले उन्होंने वीर सावरकर की जयंती पर भी श्रद्धांजलि देते हुए एक श्लोक साझा किया था, जिसमें ज्ञान और पराक्रम के संतुलन का संदेश दिया गया था। विकसित भारत के संकल्प से जोड़ा संदेश- इसके अलावा बुधवार को साझा किए गए श्लोक में प्रधानमंत्री ने निरंतर प्रयास, धैर्य और दृढ़ संकल्प को जीवन में सफलता का आधार बताया था। उन्होंने कहा था कि जो व्यक्ति अपने लक्ष्य के लिए निरंतर प्रयास करता है, वह निश्चित रूप से उसे प्राप्त करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेशों को देश के 'विकसित भारत' के लक्ष्य से जोड़ते हुए कहा कि आज देश के नागरिक इन्हीं मूल्यों के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उनका कहना है कि नैतिकता, अनुशासन और सकारात्मक सोच ही भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

ससुर ने मुझसे दुष्कर्म किया, ये कहकर महिला दरोगा का थाने के बाहर हंगामा; बोली- मुझे न्याय चाहिए

महिला दरोगा ने बताया कि नौकरी छोड़ने का भी दबाव बनाने लगे। ससुर ने उनके साथ दुष्कर्म किया और बाद में चूहे मारने की दवा खिलाने की कोशिश की।लखनऊ में महिला दरोगा ने ससुर पर दुष्कर्म और पति पर फायरिंग कर हत्या का प्रयास करने का आरोप लगाया है। मगर, पुलिस के कोई कार्रवाई नहीं करने पर महिला दरोगा बृहस्पतिवार को मायके वालों और किसान यूनियन के साथ थाने पहुंची। दो घंटे तक हंगामा किया। इस पर पुलिस ने उनकी तहरीर पर चार लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली। वहीं, ससुर ने भी बहू पर केस दर्ज कराया है।प्रयागराज में तैनात है महिला दरोगा- महिला दरोगा के मुताबिक, वर्तमान में वह प्रयागराज में तैनात हैं। पिछले साल उनकी शादी पारा निवासी युवक से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुर, पति, सास और ननद उन पर जातिसूचक टिप्पणियां करने लगे। नौकरी छोड़ने का भी दबाव बनाने लगे। ससुर ने उनके साथ दुष्कर्म किया और बाद में चूहे मारने की दवा खिलाने की कोशिश की। पीड़िता ने बताया कि पिता जब ससुराल पहुंचे तो आरोपियों ने असलहे के बल पर धमकी दी।प्रदर्शन के दौरान बेहोश हुई दरोगा- चार दिन पहले पुलिस से शिकायत करने पर भी कुछ नहीं हुआ। इस बात पर उन्होंने प्रदर्शन किया। पुलिस कर्मियों पर भी मिलीभगत का आरोप लगाते हुए महिला दरोगा बेहोश हो गईं। इंस्पेक्टर सुरेश सिंह ने बताया दोनों पक्षों पर एफआईआर दर्ज की गई है।

घुसपैठिये अपने देश लौट जाएं, खुद वापस गए तो नहीं होगी कानूनी कार्रवाई, अमित शाह का बड़ा एलान

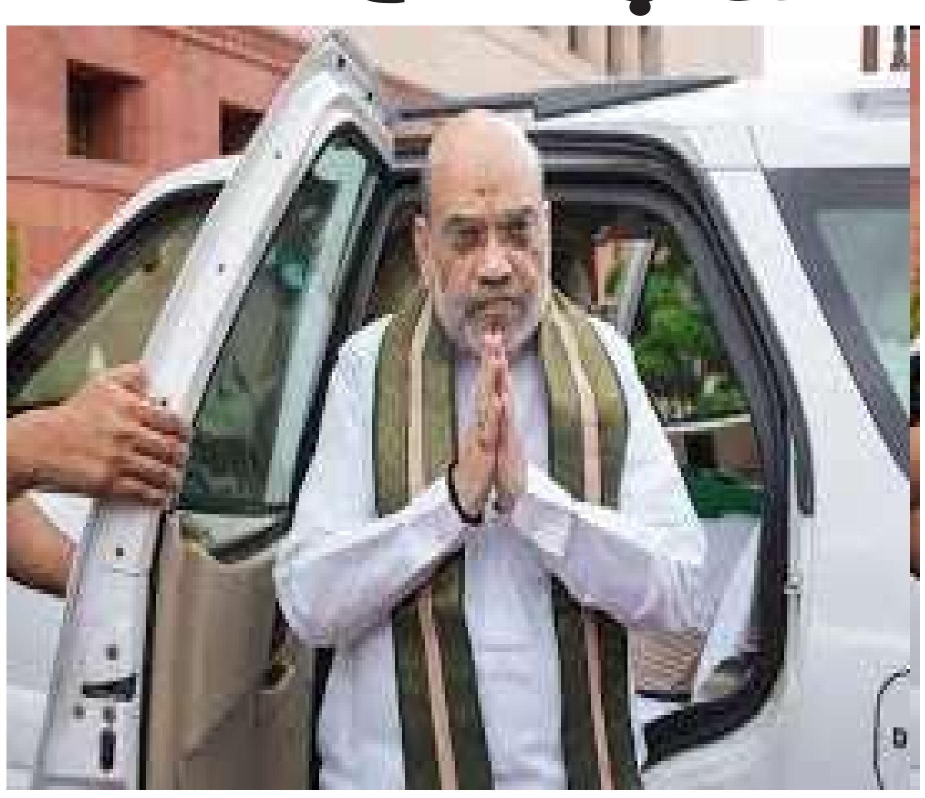

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम शुरू करने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने सात दिनों के भीतर ही बाड़ लगाने के लिए 600 हेक्टेयर भूमि सीमा सुरक्षा बल को सौंप दी। इसके अलावा सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) में 121 हेक्टेयर भूमि भी भारत सरकार को हस्तांतरित कर दी गई है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि घुसपैठियों को अपने देशों में लौट जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग स्वेच्छा से वापस जाएंगे, उनके खिलाफ भारत में कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। गांधीनगर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में बीएसएफ को सात दिनों के भीतर 600 हेक्टेयर जमीन सौंपने के लिए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की सराहना की।उन्होंने कहा, %%हमने चुनाव के दौरान कहा था कि सत्ता में आने के बाद बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम शुरू करेंगे। अब मैं पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को सात दिनों के भीतर बीएसएफ को 600 हेक्टेयर जमीन सौंपने के लिए बधाई देना चाहता हूं।%% उन्होंने यह भी जिक्र किया कि चिकन नेक कहलाने वाले इलाके में 121 हेक्टेयर भूमि भारतीय सरकार को सौंप दी गई है।चिकन नेक की जमीन भी सरकार को मिली ~ अमित शाह- गृह मंत्री ने कहा, चिकन नेक की 121 हेक्टेयर भूमि भारतीय सरकार को सौंप दी गई है। अब, घुसपैठिए खुद ही वापस जा रहे हैं। पश्चिम बंगाल की भाजपा सरकार ने डिटेंशन सेंटर बनाए हैं, लेकिन हम सभी चाहते हैं कि घुसपैठिए खुद ही वापस चले जाएं। हमारी सरकार ने देश के हर घुसपैठिए की पहचान कर उसे बाहर निकालने का संकल्प लिया है।卐बंगाल सरकार ने कहां दी कितनी जमीन?- एक दिन पहले पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा था कि सरकार ने सीमा सुरक्षा मजबूत करने के लिए बीएसएफ चौकियों और कंटीले तारों की बाड़ लगाने का काम तेज कर दिया है। अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ को अतिरिक्त जमीन सौंप दी गई है, जिससे कुल आंकड़ा 142.79 एकड़ तक पहुंच गया है। उनके साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक 38.805 एकड़ जमीन मुर्शिदाबाद में दी गई है। इसके बाद जलपाईगुड़ी में 35.165 एकड़ और कूचबिहार में 22.95 एकड़ जमीन दी गई है। जनसांख्यिकीय बदलावों पर समिति का गठन- इस बीच गृह मंत्रालय ने देश भर में जनसांख्यिकीय बदलावों से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति गठित की है। गृह मंत्रालय की ओर से जारी प्रस्ताव में कहा गया है कि %%जनसांख्यिकीय बदलावों के कारण व्यापक चुनौतियां सामने आई हैं, जिनमें अवैध घुसपैठ से जुड़ी समस्याएं भी शामिल हैं।%% प्रस्ताव के अनुसार, कुछ क्षेत्रों में ये बदलाव सामान्य जन्म और मृत्यु दर के कारण नहीं, बल्कि अवैध घुसपैठ, अनियमित जनसंख्या आवाजाही और प्रशासनिक ढिलाई जैसे बाहरी कारणों से हो रहे हैं। इसमें कहा गया है कि ऐसे बदलाव सबसे ज्यादा सीमावर्ती जिलों में दिखाई देते हैं, लेकिन उनका असर शहरी क्षेत्रों, औद्योगिक कॉरिडोर, आदिवासी इलाकों और सामाजिक व आर्थिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों तक पहुंच चुका है।

इस्राइल को लेकर कांग्रेस का PM पर हमला, जयराम रमेश बोले- भारत के मूल्यों के खिलाफ है सरकार का रुख

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर इस्राइल के प्रति एकतरफा समर्थन का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पीएम मोदी ने ईरान, गाजा, लेबनान और फिलिस्तीन से जुड़े मुद्दों पर इस्राइल की कार्रवाई की कभी खुलकर आलोचना नहीं की।कांग्रेस ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर इस्राइल के प्रति कथित रूप से एकतरफा समर्थन का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का रुख भारत की पारंपरिक विदेश नीति और मानवीय मूल्यों के विपरीत है व यह करोड़ों भारतीयों के लिए स्वीकार्य नहीं है।यह विवाद उस समय सामने आया जब इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के एक कथित बयान का हवाला देते हुए जयराम रमेश ने कहा कि नेतन्याहू ने एक सम्मेलन में दावा किया कि दुनिया के अधिकांश देशों में इस्राइल की वैधता पर सवाल उठ रहे हैं, लेकिन भारत में ऐसा नहीं है।इस्राइली हमलों पर क्यों बोले रमेश?

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी इस्राइल के सबसे मजबूत समर्थक के रूप में सामने आए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने ईरान के शीर्ष नेतृत्व की लक्षित हत्या की कभी निंदा नहीं की, न ही गाजा में जारी इस्राइली सैन्य अभियान पर कोई सार्वजनिक आलोचना की। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि मोदी सरकार ने लेबनान पर इस्राइल के हमलों और वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों के कथित विस्थापन व अधिकारों के हनन के मुद्दे पर भी चुप्पी साध रखी है।पीएम मोदी पर लगाए गंभीर आरोप - रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने फरवरी 2026 में इस्राइल के साथ गर्मजोशी से मुलाकात की थी और उसके कुछ ही समय बाद इस्राइल व अमेरिका ने ईरान पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले शुरू किए। उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति ऐतिहासिक रूप से शांति, संवाद और फिलिस्तीनी अधिकारों के समर्थन पर आधारित रही है, लेकिन मौजूदा सरकार इस परंपरा से दूर जाती दिखाई दे रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि नेतन्याहू का यह कहना कि भारत इस्राइल के समर्थन में खड़ा है, पूरी तरह सही नहीं है। उनके अनुसार, यह समर्थन पूरे भारत का नहीं बल्कि प्रधानमंत्री मोदी और उनके राजनीतिक तंत्र का नजरिया हो सकता है। उन्होंने कहा कि देश के बड़ी संख्या में लोग फिलिस्तीनी जनता के प्रति सहानुभूति रखते हैं और पश्चिम एशिया में शांति व न्यायपूर्ण समाधान के पक्षधर हैं। कांग्रेस ने केंद्र सरकार से पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, गाजा की स्थिति, ईरान-इस्राइल तनाव और फिलिस्तीनी मुद्दे पर अपना स्पष्ट रुख सामने रखने की मांग की है। हालांकि, सरकार की ओर से कांग्रेस के इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

सीएम योगी ने पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह को किया याद, बोले- कृषि व राजस्व के क्षेत्र में अनेक रिफॉर्म किए

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की और कृषि व राजस्व के क्षेत्र में अनेक रिफॉर्म किए।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम योगी ने विधान भवन स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पार्चन किया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत मां का महान सपूत और किसानों का मसीहा बताया। चौधरी साहब को जाता है कृषि, राजस्व के क्षेत्र में अनेक रिफॉर्म का श्रेय - मुख्यमंत्री ने कहा कि चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसंबर 1902 को उत्तर प्रदेश में हुआ था। वह देश के स्वाधीनता आंदोलन से जुड़े थे। देश में कृषि, राजस्व के क्षेत्र में तमाम रिफॉर्म का श्रेय उन्हें जाता है। उनका स्पष्ट मत था कि देश के विकास का रास्ता गांव, खेत व खलिहालों से होकर जाता है। सरकार की प्राथमिकता का हिस्सा होना चाहिए किसान

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान विकास के एजेंडे और सरकार की प्राथमिकता का हिस्सा होना चाहिए। शासन की योजनाएं किसानों को ध्यान में रखकर तैयार की जानी चाहिए। चौधरी चरण सिंह द्वारा देशहित में किए गए कार्यों को ध्यान में रखते हुए उन्हें भारत रत्न की उपाधि से भी सम्मानित किया गया। किसानों के हित से जुड़े अनेक कार्यक्रम चला रही उत्तर प्रदेश सरकार

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार चौधरी चरण सिंह की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने के लिए किसानों के हित से जुड़े अनेक कार्यक्रम चला रही है। इसमें लखनऊ में चौधरी चरण सिंह सीड पार्क का निर्माण भी महत्वपूर्ण है। देश के प्रमुख राजनेता होने के साथ ही उन्होंने देश और समाज के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया था। 29 मई 1987 को उनका देहावसान हुआ। इस दौरान कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, राज्यमंत्री केपी मलिक, महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद ब्रजलाल, विधायक नीरज बोरा, अमरेश कुमार, विधान परिषद सदस्य लालजी प्रसाद निर्मल, रामचंद्र प्रधान, उमेश द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

संपादकीय Editorial

"Sir" is constitutional.

The Supreme Court has declared the Election Commission's "Special Intensive Review" (SIR) completely valid and constitutional. It also recognized the Election Commission's constitutional right to ensure free, fair, transparent elections and a clean and accurate voter list. It found no violation of Article 324 of the Constitution and Section 21(3) of the Representation of the People Act. It also dismissed the opposition's allegations and petitions alleging "vote theft" and "snatching of citizenship." The bench held that deletion from the voter list does not mean that one is no longer an Indian citizen. The final decision on citizenship will be taken by the competent authority (the Union Home Ministry). However, the Commission may conduct a limited verification of citizenship to determine eligible voters. The pending decision on citizenship should be finalized by the 2029 Lok Sabha elections and subsequent assembly elections. In short, the SIR is constitutional and will continue. The Supreme Court categorically refused any "stoppage" to it. Most of the petitions were related to Bihar, so the Supreme Court did not comment on the 72 million names deleted from voter lists under "Sir." The question remains: are these people foreign nationals or infiltrators? Will their names remain stuck in the maze of judicial review? The Commission should simply provide the official data on such people, without disclosing their identities. If most of these names are Indian citizens, why are they not voters? The basic constitutional principle is that an eligible citizen is also a voter, but the process and intent of "Sir" have made this system questionable and suspect. A few examples are noteworthy. A woman was a senior scientist in a department under the Ministry of Agriculture of the Government of India and retired from there after a long career.

She also receives a regular pension. The Election Commission's underlings have questioned her voter status. They have asked her for details of her father's name on the voter list, even though he has been dead for several years. An adult, a Class I officer in the Government of India, retired, and a pensioner—aren't these criteria sufficient to be a voter? The faces of some officials were exposed during the West Bengal elections. They were state government employees, drawing regular salaries, and performing election duties, yet their names were deleted from the voter list under the "Sir" Act. The constitutionality of the Election Commission, the legitimacy of "Sir," and democracy cannot be ridiculed in such a vulgar and illegal manner. The question is one of "logical inconsistency." The Commission has already completed the "Sir" campaign in 14 states and union territories. The campaign is still pending in 19 states and union territories, where the campaign is scheduled to begin in June. Elections have already concluded in five states, but why was the "logical inconsistency" system implemented only in Bengal? Of the more than 2.7 million voters whose names were deleted there, only 6,000 have received justice from the tribunal. If this pace continues, the judicial review could take more than 25 years! Who knows what kind of world we will be in? What will become of the Constitution's fundamental right, the right to vote? People are being asked and demanded details not only of their fathers but also of their grandfathers. Were such details and documents demanded in previous "Sir" campaigns? Someone who has voted multiple times and is present in person before the Election Commission, holding a valid passport, can stop that Indian from voting? It's beginning to feel as if the government will elect voters, not the voters, and elections will then be held along these lines! Do you accept such democracy in India?

The Bengal government and the pace of decisions: Why is CM Shubhendu taking rapid decisions?

The process of advancing long-pending central schemes has begun on a war footing. To enhance coordination between the central and state governments, lists of stalled projects have been sought from various ministries, so that development work can be accelerated. Bengal's double-engine government is now racing along the development tracks at the speed of a bullet train. The state government currently consists of only six members, including the Chief Minister, but the government's working style and speed of decision-making have sent a distinct message across political circles. The Bengal government is still in its infancy, less than three weeks old. However, the pace of decisions and administrative activism have certainly signaled a significant shift in both Bengal's political and development model. The process of advancing long-pending central schemes has begun on a war footing. To enhance coordination between the central and state governments, lists of stalled projects have been sought from various ministries, so that development work can be accelerated. Rapid decisions and the CM's Singham style: Transfer of land to the BSF for fencing along the Bangladesh border - a major decision taken to strengthen border security. Decision to hand over approximately 120 acres of land in this sensitive area of ??the Chicken Neck, also known as the Siliguri Corridor, to the central government. A complete ban on cow sacrifice, along with a fitness or health certificate, is now mandatory for slaughtering other animals. The Calcutta High Court also refused to interfere with this new state government order. The R.G. Kar lady doctor rape and murder case has been reopened. After the suspension of three IPS officers, the Calcutta High Court ordered a new CBI team to investigate. An announcement of government jobs, assuring support and solidarity for families affected by political violence during the Trinamool Congress government. Approval to begin the census process in the state - considered a significant step for administrative and development plans. CBI action in corruption cases - prosecution approved in teacher recruitment, municipal, and cooperative scams. Also worth noting: a major decision regarding women's economic empowerment. The announcement of the Lakhi Bhandar/Annapurna scheme, under the monthly financial assistance scheme, will begin with an increased amount from June 1st. The decision to implement the Ayushman Bharat scheme – the process of implementing the long-stalled central health scheme in Bengal has been initiated. The Fish Rice Scheme for ?5 – an affordable meal scheme for the poor and working class has been announced. The ban on liquor shops near schools and religious places – a decision aimed at improving the social environment. Separate administrative identity for the AYUSH department – ??a decision to separate it from the health department to strengthen AYUSH services. The expansion of the PM Vishwakarma scheme in Bengal – the process of implementing the central scheme for artisans and traditional workers has been expedited. MPs and MLAs from opposition parties will be invited to administrative meetings. No area will be left untouched by development. However, the Bengal government and BJP leadership have consistently promoted the message that a double-engine government means double the pace of development and faster implementation of schemes. PM Modi, Home Minister Shah, Chief Minister Suvendu, and other leaders have also claimed faster development, better law and order, and increased investment in Bengal.

Politics and Policy: PM Modi to visit on June 6th, government gears up for preparations

Amidst speculation about cabinet expansion and reshuffle in Madhya Pradesh, no such possibility is currently visible. The BJP's entire focus is on the Prime Minister's proposed visit to the state on June 6th and the upcoming Rajya Sabha elections. State President Hemant Khandelwal has also clarified that the organization's priorities are different at present. Although political circles in Madhya Pradesh have been speculating for the past few months that a cabinet reshuffle could be imminent, sources indicate that nothing of the sort is currently taking place. The BJP's entire focus is currently on the Prime Minister's proposed visit to Madhya Pradesh on June 6th and the upcoming Rajya Sabha elections. BJP State President Hemant Khandelwal himself has clarified this. Therefore, it can be said that cabinet expansion and reshuffle in Madhya Pradesh are unlikely at this time. Chief Secretary takes class of Collectors and SPs - Madhya Pradesh Chief Secretary Anurag Jain recently reviewed the work of the state's Commissioners, Collectors, IGs, and SPs via video conferencing. The manner in which he reprimanded some collectors during the meeting suggests he is concerned about a number of issues. Specifically, he referred to criminals, mineral and drug mafias, and directed a special campaign against them. If insider reports are to be believed, it appears that Chief Minister Dr. Mohan Yadav had instructed the Chief Secretary in this regard. There's a reason for this; the CM has expressed his displeasure with lax administration in districts on several occasions. Therefore, it appears that the Chief Secretary reprimanded officials to improve administrative work and law and order, in keeping with the Chief Minister's wishes. Who will Congress field as its Rajya Sabha candidate? A tussle has already begun over the Congress candidate for the third Rajya Sabha seat in the state. Since the BJP indicated that it would not field a candidate for the third seat, contenders have intensified their efforts. These include former Chief Minister Kamal Nath, State Congress President Jitu Patwari, Kamleshwar Patel, and Arun Yadav. A tussle for the Forest Department's top post - A tussle has begun at the Madhya Pradesh Forest Headquarters for the crucial development branch. Currently, PCCF Purushottam Dhiman is posted here, retiring this month. The search has begun to determine who will take over the development branch after Dhiman. Currently, the leading contender for this branch is 1997-batch IFS officer L. Krishnamurthy, who holds the position of APCCF (Wildlife). Furthermore, he nearly became PCCF (Wildlife). 1995-batch B.S. Annagiri also appears eager to take charge of the development branch. It is said that due to his lack of political influence, he slips as soon as he reaches his desired position. Meanwhile, it has been learned that IFS Association President Hari Shankar Mohanta has also staked his claim for this branch. However, Forest Force Chief Shubh Ranjan Sen must decide which officer will be given the responsibility of this crucial task for the forest department. The SP's warning in Dhar proved effective: Following the High Court's decision on Bhojshala on Friday, May 15th, the first Friday, May 22nd, passed peacefully. Many fears of a major uproar on that day proved unfounded. The administration and police's strict blockade and security cordon, which no one could penetrate, were the key factors behind this warning issued a day earlier by Dhar SP Sachin Sharma, who calmed down members of both communities. The SP, appearing before the media cameras, declared that anyone who dares to challenge the law should try it on Friday; the police will take action they never dreamed of. Everyone believes that the SP's aggressive approach worked, and Friday passed peacefully.

The Three-Language Formula Returning to Track

It's surprising that they don't consider teaching two or three foreign languages ??an additional burden on their children, but they are ready to take to the streets in the name of learning their mother tongue and Indian languages. This is unfair. The government must not yield under any circumstances. Compulsory study of two Indian languages ??in the ninth grade. An important implementation step of the National Education Policy-2020. Promoting linguistic unity and reducing the emphasis on foreign languages. The recent decision by the CBSE and the central government to make the study of two Indian languages ??compulsory in the ninth grade is commendable. This is the next step in the implementation of the National Education Policy-2020. According to the new CBSE order, starting July 1st, three languages ??will be taught in the ninth grade, two of which will be mandatory Indian languages. If the first language is English, the second language will be Hindi or the mother tongue, and schools can choose any language from the Eighth Schedule of the Constitution as the third language. The aim is to move towards a multilingual society, which is also the reality of this country. The spirit of the three-language formula proposed by the Kothari Commission in the 1960s was that children from North India should learn a South Indian language, and children from South India should learn North Indian Hindi in addition to their mother tongue. However, due to political interests, this was misrepresented as Hindi imposition. North India's education policy also suffered from a shortcoming: instead of learning a Southern language, it made do with Sanskrit as a third language. It is hoped that North India will not make such a mistake again. This is why South India continues to protest, asking why the Southern states should also learn Hindi if North India doesn't teach any of its languages. Therefore, the three-language formula failed to achieve its objective. Now, under the government's new, well-thought-out policy, it appears to be succeeding. Currently, in North India, especially in most public schools, not a single Indian language is taught in the ninth grade. Some of these schools even lack a Hindi section in the 12th grade, while, in addition to English, students have the option of studying foreign languages ??such as German, French, Japanese, and Spanish. It's a blessing that Hindi is still available in government schools, but most science students aren't studying Hindi in the 11th grade, or rather, it's not being taught. These expensive private schools and parents are the ones most opposed to the new language policy order. They complain that if it was to be implemented this semester, why wasn't it implemented on April 1st? They should know that the academic session does begin in April, but education across the country begins on July 1st, so the delay is baseless. Their second allegation is that they have purchased textbooks in French and German, and children have been studying these languages ??for years. Now, requiring them to study more Indian languages ??will put an additional burden on their children. This will affect their 10th grade results. This complaint is also childish. They simply need to say that they've been learning English since birth. German and French never feel like an extra burden to them, but why do they feel burdened by their mother tongue or other Indian languages? Do children learn German and other Indian languages ??voluntarily? No. This is a burden imposed on them by parents and schools.

मुरादाबाद में आंधी और बारिश ने उड़ाई बिजली, अंधेरे में रहा शहर, भीषण गर्मी से मिली राहत

मुरादाबाद में तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि से लोगों को गर्मी से राहत मिली, लेकिन कई इलाकों की बिजली व्यवस्था ठप हो गई। पेड़ और शाखाएं बिजली लाइनों पर गिरने से दिल्ली रोड, रामपुर रोड, कटघर, बुद्धि विहार और नया में देर रात तक अंधेरा रहा। मुरादाबाद शहरवासियों को बृहस्पतिवार रात दी, लेकिन तेज आंधी, ओलावृष्टि और की पोल भी खोल दी। रात करीब 10 के साथ शहर के कई हिस्सों की जगह पेड़ और पेड़ों की शाखाएं टूटकर बड़े स्तर पर फॉल्ट हुए और देर रात रहे।सबसे ज्यादा असर दिल्ली रोड, की कॉलोनियों में देखने को की 33 केवी की सप्लाई फेल होने से गुलाबबाड़ी और कटघर इलाके की विहार, आशियाना, रामगंगा विहार, नया नगर, रेल विहार समेत कई कॉलोनियों सप्लाई बहाल नहीं हो सकी।खास बात कॉलोनी और विद्युत निगम के कंट्रोल के दौरान ठप हो गई। तेज हवाओं के

मुरादाबाद समेत कई क्षेत्रों में भीषण गर्मी से जूझ रहे मौसम ने अचानक राहत तो बारिश ने बिजली व्यवस्था बजे तेज हवाओं और बारिश बिजली गुल हो गई। कई बिजली लाइनों पर गिर गईं। तक लोग अंधेरे में परेशान रामपुर रोड और कटघर क्षेत्र मिला।सीतापुरी बिजलीघर सीतापुरी, करूला, शिवपुरी, बत्ती गुल हो गई। बुद्धि मुरादाबाद, पाकबड़ा, कबीर में रात 12 बजे के बाद तक यह रही कि हाइडिल रूम की बिजली भी आंधी चलते बिजली निगम को कई इलाकों में एहतियातन सप्लाई रोकनी पड़ी।भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की वेबसाइट के मुताबिक शहर का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से गिरकर 34 डिग्री तक पहुंच सकता है। शुक्रवार को भी तेज हवा,बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।विद्युत निगम के अधीक्षण अभियंता प्रशांत कुमार ने बताया कि तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर बिजली सप्लाई रोकी गई थी। बारिश रुकने के बाद टीमों ने फॉल्ट ठीक कर अधिकांश इलाकों में रात 11 बजे तक बिजली आपूर्ति बहाल कर दी थी।रात 10ः27 बजे सभी के मोबाइलों पर बजा सायरन – रात 10ः27 बजे अचानक लोगों के मोबाइल फोन पर तेज सायरन बजने लगा। मोबाइल स्क्रीन पर अलर्ट संदेश आया कि अगले तीन घंटों में इलाके में बिजली कड़कने के साथ 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज तूफान आने के आसार हैं। कुछ स्थानों पर हवा की गति 90 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने, मध्यम से तेज बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी भी दी गई। अलर्ट मिलते ही लोगों ने अपने परिचितों और रिश्तेदारों को फोन कर सतर्क रहने की सलाह दी।आधे घंटे की बारिश में खुली सफाई की पोल- अगवानपुर में बृहस्पतिवार रात ओलावृष्टि और तेज हवाओं के साथ हुई 30 मिनट की बारिश ने नगर पंचायत की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। नाले-नालियां ओवरलोड होने से सड़कों पर गंदा पानी भर गया और जगह-जगह कीचड़ फैल गई। लोगों ने आरोप लगाया कि नालों की नियमित सफाई नहीं होने से जलनिकासी व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

बंद होंगी ई-कचरा जलाने वाली चार बड़ी भट्ठियां

मुरादाबाद । जनपद में अवैध रूप से ई-कचरा और अन्य धातुओं को जलाने के कारोबार पर प्रदूषण नियंत्रण विभाग सख्ती कर रहा है। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने चार ऐसी भट्ठियों को बंद करने का आदेश जारी किया है। क्षेत्रीय अधिकारी गुप्ता ने बताया कि रसूलपुर खेम और पैमाने पर ई-कचरा और अन्य धातुओं का काम किया जा रहा था। इन भट्ठियों से और रासायनिक गैसों के कारण आसपास लगातार बढ़ रहा था। स्थानीय लोगों की जांच के बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने इन शुरू की। बताया कि विभाग द्वारा पहले कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। संचालन से संबंधित अनुमति पत्र, अन्य जरूरी दस्तावेज प्रस्तुत करने को कारोबारियों की ओर से न तो संतोषजनक ही आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराए कार्यालय की ओर से विस्तृत रिपोर्ट तैयार मुख्यालय लखनऊ भेजी गई थी। रिपोर्ट भट्ठियों को तत्काल बंद कराने की मुख्यालय स्तर पर मामले की समीक्षा के कारोबारी यशवी, रियासत उर्फ बोल्टू, भट्ठियों को बंद करने के आदेश जारी कर कचरे से धातुएं निकालने के लिए तार,

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड डीके ताजपुर माफी क्षेत्र में बड़े को बिना अनुमति जलाने निकलने वाले जहरीले धुएं के इलाकों में प्रदूषण शिकायतों और विभागीय भट्ठियों के खिलाफ कार्रवाई संबंधित कारोबारियों को नोटिस में भट्ठियों के पर्यावरणीय स्वीकृति और कहा गया था। हालांकि, जवाब दिया गया और न गए।इसके बाद क्षेत्रीय कर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अवैध रूप से संचालित सिफारिश की गई थी। बाद चार बड़े ई कचरा बाबू और मुजफ्फर की दिए गए। इन भट्ठियों में ई-प्लास्टिक और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामग्री खुले में जलाई जाती थी। इससे निकलने वाला जहरीला धुआं आसपास के गांवों और आबादी वाले क्षेत्रों तक पहुंच रहा था, जिससे लोगों को सांस लेने में परेशानी, आंखों में जलन और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। क्षेत्र में संचालित अन्य संदिग्ध भट्ठियों और ई-कचरा कारोबारियों की भी जांच की जा रही है। यदि कोई भी इकाई बिना अनुमति संचालित होती पाई गई तो उसके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई होगी।

आखिरकार कब शुरू होगी हवाई सेवा: मुरादाबाद एयरपोर्ट से उड़ान को झटका, 19 सीटर प्लेन उड़ाने वाली कंपनियां बंद

मुरादाबाद एयरपोर्ट से नवंबर 2024 से बंद पड़ी उड़ान सेवा अब नए संकट में फंस गई है। 19 सीटर विमानों के संचालन वाली फ्लाई बिग समेत प्रदेश की दोनों कंपनियों की सेवाएं बंद होने से एयरपोर्ट लगभग निष्क्रिय हो गया है। इसके बाद आम यात्रियों के लिए हवाई सेवा शुरू होने की उम्मीदें धूमिल होती दिख रही हैं।मुरादाबाद के मूंढापांडे के भदासना गांव में करीब 35 करोड़ खर्च कर बनाए गए मुरादाबाद एयरपोर्ट पर नवंबर 2024 से उड़ानें थमने के बाद अब नया संकट सामने आ गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के अधिकारियों के मुताबिक प्रदेश में फ्लाई बिग समेत जिन दो कंपनियों के पास छोटे उन्नीस सीटर विमानों के संचालन की सुविधा थी, उनकी सेवाएं बंद हो चुकी हैं। इससे मुरादाबाद जैसे छोटे एयरपोर्ट लगभग निष्क्रिय हो गए हैं। अब प्रदेश में किसी दूसरी कंपनी के आने के बाद ही इन एयरपोर्ट से उड़ान हो सकेगी। मुरादाबाद एयरपोर्ट से पहली उड़ान 10 अगस्त 2024 को लखनऊ के लिए शुरू हुई थी। इस एयरपोर्ट से केवल चालीस दिन की ही उड़ान रही।नवंबर 2024 में मुरादाबाद एयरपोर्ट से उड़ान सेवा बंद कर दी गई थी। उस समय तर्क दिया गया था कि कम दृश्यता में यहां विमान उतारना संभव नहीं है। रनवे पर अत्याधुनिक कैट लाइटिंग और कोहरे में दृश्यता देने वाली प्रणाली लगने तक ठंड के मौसम में उड़ान संचालन सुरक्षित नहीं होगा।उस समय मार्च 2025 तक सेवा रोकने की बात कही गई थी, लेकिन डेढ़ साल बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। तब से

यहां सिर्फ वीआईपी और सरकारी विमान ही उतर रहे हैं। आम यात्रियों के लिए एयरपोर्ट पूरी तरह बेकार साबित हो रहा है। लोगों को उम्मीद थी कि आने वाले दिनों में यहां से हवाई सफर शुरू होगा लेकिन नया संकट पैदा हो गया है।

दरअसल मुरादाबाद एयरपोर्ट के रनवे से फिलहाल सिर्फ 19 सीटर विमानों को उड़ान भरने की अनुमति है। प्रदेश में 19 सीटर विमानों के संचालन वाली दो ही कंपनियां थीं। दोनों की सेवाएं अब बंद हो चुकी हैं। फिलहाल मुरादाबाद से हवाई सफर पर संकट के बादल गहरा गए हैं।

पायलटों की ट्रेनिंग के काम आ सकता है मुरादाबाद एयरपोर्ट

एएआई के अधिकारियों का कहना है कि अब मुरादाबाद एयरपोर्ट पायलटों के प्रशिक्षण के काम आ सकता है। यहां फ्लाइंग ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट शुरू करने के लिए डीजीसीए से अनुमोदित संस्थानों के साथ मंथन चल रहा है। संभव है कि अगले साल से यहां फ्लाइंग ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट शुरू हो जाए। अधिकारियों ने बताया कि भारत में डीजीसीए द्वारा अनुमोदित 30 से अधिक उड़ान प्रशिक्षण संगठन हैं जो कमर्शियल पायलट लाइसेंस पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। प्रमुख संस्थानों में उत्तर प्रदेश में सरकारी स्वामित्व वाली इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी, मध्य प्रदेश में चाइम्स एविएशन अकादमी और कर्नाटक में ओरिएंट फ्लाइट्स एविएशन अकादमी शामिल हैं।

400 एकड़ जमीन पर विस्तार की तैयारी – जिला प्रशासन ने एयरपोर्ट विस्तार के लिए 400 एकड़ अतिरिक्त जमीन का प्रस्ताव शासन को भेजा है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार कई किसानों ने जमीन देने पर सहमति भी जता दी है। रनवे विस्तार के बाद यहां बड़े विमानों के संचालन की योजना बनाई जा रही है।

भविष्य में स्काईहॉप जैसी कंपनियों के जरिये बड़े विमानों की सेवा शुरू करने का दावा किया जा रहा है। हालांकि जब तक रनवे का विस्तार नहीं होता, तब तक एयरपोर्ट को फ्लाइंग ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के रूप में उपयोग करने की तैयारी की जा रही है।

मुरादाबाद एयरपोर्ट पर फ्लाई बिग कंपनी की सेवाएं बंद हो चुकी हैं। फिलहाल 19 सीटर विमान संचालन के लिए किसी अन्य कंपनी के आने की जानकारी नहीं है। भविष्य की योजनाओं पर काम चल रहा है, अभी ज्यादा कुछ कहना संभव नहीं है। – आशीष पाल, एयरपोर्ट डायरेक्टर

संक्षिप्त समाचार

नाबालिगों के हाथों में ई-स्कूटी, ई-बाइकों से बढ़े हादसे

शहर में नाबालिग बच्चों द्वारा ई-स्कूटी और ई-बाइक चलाने की बढ़ती प्रवृत्ति अब यातायात पुलिस के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई है। सड़क हादसों में लगातार बढ़ोतरी और नियमों की अनदेखी को देखते

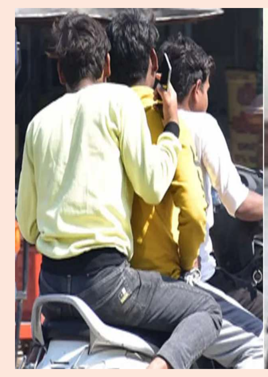

हुए यातायात पुलिस ने इस संबंध विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर एसएसपी को भेजी जाएगी है। रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि नाबालिग बच्चे बड़ी संख्या में ई-स्कूटी और ई-बाइक सड़कों पर दौड़ा रहे हैं, जो दुर्घटनाओं की एक बड़ी वजह बनते जा रहे हैं। ई-स्कूटी और ई-बाइक के संचालन को लेकर कानून में स्पष्ट प्रावधानों की कमी और कुछ मामलों में मोटर व्हीकल एक्ट (एमवी एक्ट) के दायरे से बाहर होने के कारण इनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करना चुनौतीपूर्ण बन रहा है। यही वजह है कि कम उम्र के बच्चे बिना किसी डर के इन वाहनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। यातायात जिला प्रभारी मिथलेश कुमार सिंह ने बताया कि सड़क हादसों को रोकने और नाबालिगों को वाहन चलाने से रोकने के लिए जनपद के 16 स्कूलों में विशेष अभियान चलाया गया है। इसके तहत स्कूलों के प्रधानाचार्यों, अध्यापकों और प्रबंधन समिति के सदस्यों के साथ बैठक की गईं। बैठकों में स्कूल प्रबंधन से अपील की गई कि वे नाबालिग छात्रों को बाइक, स्कूटी और ई-वाहनों से स्कूल आने पर प्रतिबंध लगाएं। यातायात पुलिस ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने नाबालिग बच्चों को वाहन न सौंपें और सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति गंभीरता दिखाएं।

सड़क किनारे खड़े ट्रक में घुसी कार, हॉस्पिटल के अकाउंटेंट की मौत

टांडा थाना क्षेत्र के बाजपुर-दलपतपुर-मुरादाबाद मार्ग पर एक दर्दनाक हादसे में हल्द्वानी में उजाला सिग्नस हॉस्पिटल के अकाउंटेंट जितेंद्र कुमार की मौत हो गई। वे हल्द्वानी में कंपनी की नई ब्रांच

में जॉइनिंग के बाद मुरादाबाद वापिस लौट रहे थे। इसी दौरान खड़े ट्रक में कार की टक्कर हो गई। टांडा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल मोर्चरी पर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक के दोस्त संजीव गुप्ता ने बताया कि जितेंद्र काशीपुर के वीर भूमि एन्क्लेव मानपुर क्षेत्र में अपने परिवार के साथ रहते थे। वो मुरादाबाद में कार्यरत थे। हाल ही में उनका प्रमोशन हुआ था, जिसके बाद वे हल्द्वानी में कंपनी की नई ब्रांच में जॉइनिंग लेने गए थे। वे खुद कार ड्राइविंग कर रहे थे। जॉइनिंग के बाद मुरादाबाद लौटते समय बुधवार रात करीब साढ़े दस बजे टांडा थाना क्षेत्र के बाजपुर-दलपतपुर-मुरादाबाद मार्ग पर एक खड़े ट्रक में कार की टक्कर हो गई। हादसा इतना भयंकर था कि जितेंद्र ने मौके पर दम तोड़ दिया। जितेंद्र अपने परिवार के एकमात्र सहारा थे। उन्होंने अपने पीछे पत्नी, एक बेटा और एक बेटी को छोड़ गए हैं। उनके पिता एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी हैं। जितेंद्र तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर थे। जितेंद्र के दोस्त ने सड़क किनारे खड़े ट्रकों को हादसे का एक कारण बताया। उन्होंने कहा कि यदि सड़क पर ट्रक खड़ा नहीं होता तो शायद जितेंद्र की जान बच सकती थी। उन्होंने प्रशासन से सड़क किनारे खड़े वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। टांडा थाना प्रभारी संदीप मिश्रा ने बताया कि रात में ही शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। परिजनों को सूचना दे दी गई थी। सड़क पर वाहन खड़ा करने वाले के खिलाफ तहरीर आने पर कार्रवाई की जाएगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक – नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

भूसा दान या जबरन वसूली? बरेली के शिक्षकों में आक्रोश, एक बीईओ का सख्त आदेश तो दूसरे का स्वैच्छिक अपील

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरैली। जिले में बेसहारा गोवंशों के लिए भूसा दान को लेकर बेसिक शिक्षा विभाग में दो अलग-अलग पत्र जारी होने से विवाद खड़ा हो गया है। नवाबगंज के खंड शिक्षा अधिकारी सत्यदेव ने स्कूलों से 46 किलो भूसा जमा करने का आदेश दिया और पालन न करने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी। वहीं मीरगंज के खंड शिक्षा अधिकारी अवनीश कुमार ने स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह स्वैच्छिक है और किसी पर कोई दबाव या कार्रवाई नहीं होगी। शिक्षक संगठन ने जताई नाराजगी- वहीं बेसिक शिक्षा विभाग के फरमान पर शिक्षक वर्ग में भारी नाराजगी है। शिक्षकों का कहना है कि उनका मुख्य कार्य बच्चों को पढ़ाना है, न कि भूसा इकट्ठा करना। शिक्षक संगठनों ने चेतावनी दी है कि अगर विवादित आदेश तुरंत वापस नहीं लिया गया तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। शिक्षक संगठन का कहना है कि पहले से ही जनगणना, चुनाव ड्यूटी समेत कई गैर-शैक्षिक कार्यों का बोझ सह रहे शिक्षकों पर यह नया बोझ अनुचित है। एक शिक्षक ने तीखा सवाल किया, क्या अब हम गले में कट्टा डालकर घर-घर भूसा मांगने जाएंगे? वहीं इस आदेश से बिफरे एक प्रधानाध्यापक ने कहा कि यह शिक्षा विभाग की लचर कार्यप्रणाली का ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि इस तरीके का जो आदेश जारी हुआ है, वह बहुत ही ज्यादा गलत है। शिक्षक महत्वपूर्ण कार्य के लिए है, हमारा कार्य स्कूल में बच्चों को शिक्षा देना और जिम्मेदारी वाले सरकारी कार्य करना है। लेकिन भूसा इकट्ठा करने का यह कार्य हमारा नहीं है। यह पशुपालन विभाग, कृषि विभाग और जिला पंचायत विभाग का कार्य है। आज इन्होंने भूसा मांगने को कहा है, आगे जाकर इस तरह का कार्य करने के बाद कहा जाएगा कि हम गोबर साफ करें, नाली साफ करें! यह बहुत ही गलत है। हम सभी शिक्षक मिलकर विभाग के इस आदेश का पुरजोर विरोध करते हैं। जानिए क्या बोले डीएम अविनाश सिंह ? जिले के डीएम अविनाश सिंह ने कहा कि बेसहारा गोवंशों के संरक्षण के लिए जिले में गौशालाएं बनाई जा रही हैं और हर ब्लॉक में भूसा बैंक स्थापित किए गए हैं। उन्होंने लोगों से अपनी क्षमता अनुसार स्वैच्छिक भूसा दान करने की अपील की और गो-संरक्षण को भारतीय संस्कृति का अंग बताया। हालांकि, नवाबगंज बीईओ के सख्त आदेश की जानकारी मिलने पर डीएम ने कहा कि उन्हें इसकी कोई जानकारी नहीं है।

मेयर उमेश गौतम ने डिलीवरी कर्मियों का किया सम्मान, मेयर बोले- ये हैं असली योद्धा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सड़क की धूल, बारिश की बूंदें, पीठ पर 20-25 किलो का बैग... और चेहरे पर जिम्मेदारी... फिर भी मुस्कान नहीं छोड़ते! ये कोई फिल्म के हीरो नहीं... ये हैं हमारे सच?चे रियल लाइफ हीरो... डिलीवरी वाले भाई! जिन्हें हम अक्सर सिर्फ %डिलीवरी बॉय% बोलकर नजरअंदाज कर देते हैं। उन्हीं को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। दरअसल, शुक्रवार को बरेली के रामडा होटल में एक अनोखा और बेहद खूबसूरत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में युवा सेवक संघ की तरफ से विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जुड़े शहर के सैकड़ों डिलीवरी कर्मियों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम में पहुंचे बरेली के मेयर डॉ. उमेश गौतम ने मंच से बड़ा सामाजिक संदेश दिया। मेयर डॉ. उमेश गौतम ने कहा कि किसी को उसके काम से जज क्यों करें? ये युवा हर मौसम में, हर हाल में लोगों तक जरूरी सामान पहुँचाते हैं। कोरोना काल में जब लोग घर से निकलने से डर रहे थे, तब यही डिलीवरी कर्मी दवा, खाना और जरूरत का सामान घर-घर पहुँचा रहे थे। ये सिर्फ डिलीवरी बॉय नहीं, समाज के असली सेवा योद्धा हैं। मेयर साहब ने आगे कहा कि समाज को मेहनत करने वाले हर व्यक्ति का सम्मान करना चाहिए, कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता, सोच छोटी होती है। पार्थ गौतम फाउंडेशन के चेयरमैन पार्थ गौतम ने भी युवाओं की तारीफ करते हुए कहा कि आज का युवा मेहनत से अपनी पहचान बना रहा है। डिलीवरी सेक्टर में काम करने वाले हजारों युवा अपने परिवार की जिम्मेदारी उठा रहे हैं। ये सिर्फ सामान नहीं, लोगों का भरोसा और जरूरत भी पहुँचाते हैं। युवा सेवक संघ का मकसद है। ऐसे मेहनतकश युवाओं को सम्मान देना और समाज में उनके प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना है। बताते चलें कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा मौजूद थे और डिलीवरी कर्मियों का तालियों से भव्य स्वागत किया गया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

महिला ने कोतवाली में प्रार्थना पत्र दिया

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / कोंच(जालौन)। आज कोतवाली में प्रार्थना पत्र देती हुई श्री मति आरती कुशवाहा पत्नी जितेंद्र कुशवाहा निवासी नई बस्ती जवाहर नगर कोंच ने बताया है कि घटना दिनांक 2 7 मई की रात 11 बजे की है मेरे मोहल्ले के राहुल पुत्र डब्बू शराब के नशे में अपने साथ संजीव पुत्र रघुनाथ मोहित पुत्र पप्पू रुचि पत्नी संजीव निवासी गण मोहल्ला जवाहर नगर एक राय होकर अपने हाथों में लाठी डंडा लेकर मेरे दरवाजे पे आये व अकारण ही मुझे व मेरे पति को गंदी गंदी गलियां देने लगे कहा कि बाहर निकलो आज में तुम्हे जिंदा नहीं छोड़ेगे व मैने अंदर से कहा कि में घर पर अकेली हूं मेरे पति दूसरे मोहल्ले में किसी अन्य महिला के साथ रहते है तो वह लोग उग्र होकर मेरे दरवाजे में लाठी डंडा मारने लगे मुझको कहा कि बाहर निकल तू हमारे खिलाफ मोहल्ले के लोगों को भड़का ती है उक्त घटना मेरे घर के बाहर लगे सीसी टीवी कैमरे में देखी जा सकती है पीड़ित महिला ने पुलिस से कार्यवाही की गुहार लगाई है

भीषण गर्मी में डीएम अविनाश सिंह बने राहत के प्रहरी, आवास के बाहर लगवाया वाटर कूलर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने मानवता और सामाजिक उत्तरदायित्व की मिसाल पेश करते हुए

आमजन की सुविधा के लिए अपने आवास के बाहर वाटर कूलर लगवाया। जिलाधिकारी ने फीता काटकर एवं नारियल फोड़कर वाटर कूलर का शुभारंभ किया। इस सराहनीय पहल का उद्देश्य राहगीरों, मजदूरों, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से विभिन्न कार्यों हेतु आने वाले नागरिकों को शुद्ध एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराना है, ताकि भीषण गर्मी और हीटवेव के दौरान लोगों को राहत मिल सके तथा गर्मी जनित बीमारियों से बचाव हो सके। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ती गर्मी को देखते हुए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह मानवता का परिचय देते हुए जरूरतमंद लोगों के लिए पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने में सहयोग करे। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि वे अपने घरों, दुकानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर पेयजल की व्यवस्था करें और पशु-पक्षियों के लिए भी पानी उपलब्ध कराएं।

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर डीएम सख्त

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बैठक में हीटवेव, टीकाकरण और अस्पताल व्यवस्थाओं की हुई समीक्षा बरेली । जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई।

बैठक में डीएम ने निर्देश दिए कि अस्पतालों में मरीजों और तीमारदारों के साथ अच्छा व्यवहार किया जाए तथा हीटवेव को देखते हुए सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने ई-संजीवनी पोर्टल पर समय से फीडिंग, डॉक्टरों की नियमित उपस्थिति और लापरवाही मिलने पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। संविदा डॉक्टरों को भी कार्य में ढिलाई न बरतने की चेतावनी दी गई। साथ ही टीकाकरण अभियान में तेजी लाने, आशाओं के भुगतान और आयुष्मान कार्ड बनाने के कार्य में गति लाने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी देवयानी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

IFTP में युवाओं को प्राइवेट सेक्टर में करियर बनाने के दिए जा रहे खास मंत्र

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। इंस्टीट्यूट ऑफ फाइनेंशियल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट (ढ्ढस्नञ्जक्क) के प्रांगण में प्रेस कॉन्फ्रेंस का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों से संवाद स्थापित कर उनके अनुभवों को जाना गया तथा बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज एवं इंश्योरेंस (BFSI) सेक्टर में रोजगार सृजन हेतु संस्थान की बच्चों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की गई। संस्थान में छात्रों को प्राइवेट सेक्टर में आसानी से नौकरी प्राप्त करने, इंटरव्यू स्किल, पर्सनालिटी डेवलपमेंट एवं प्रोफेशनल कम्युनिकेशन की विशेष ट्रेनिंग दी जाती है, जिससे युवाओं को बेहतर करियर अवसर मिल सकें।

इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक मनोज कुमार गुप्ता एवं गौरव नागपाल उपस्थित रहे। साथ ही छात्र-छात्राओं की सक्रिय सहभागिता ने कार्यक्रम को और अधिक प्रभावशाली एवं प्रेरणादायक बना दिया।

सरैनी तुरकुनिया में नाली निर्माण पर उठे सवाल, मानकों को ताक पर रखने का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / अमरिया, पीलीभीत। विकासखंड अमरिया की ग्राम पंचायत सरैनी तुरकुनिया में चल रहे नाली निर्माण एवं इंटरलॉकिंग कार्य को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में बड़े पैमाने पर अनियमितता और घटिया सामग्री इस्तेमाल किए जाने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य में मानकों के विपरीत पीले ईंट और नदी की रेत का प्रयोग किया जा रहा है, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। लोगों का आरोप है कि सरकारी धन से कराए जा रहे कार्यों में गुणवत्ता की अनदेखी कर केवल खानापूर्ति की जा रही है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान अपने ही ईंट भट्टे की ईंटों का इस्तेमाल निर्माण कार्य में करा रहा है, जो नियमों के खिलाफ माना जा रहा है। आरोप है कि निर्माण सामग्री की गुणवत्ता बेहद खराब है और कुछ स्थानों पर बनी इंटरलॉकिंग एवं नालियों में शुरुआती दौर में ही खामियां नजर आने लगी हैं। ग्रामीणों के अनुसार संबंधित विभागीय अधिकारी अब तक मौके पर पहुंचकर निरीक्षण करने तक नहीं आए हैं, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द जांच नहीं हुई तो वे उच्चाधिकारियों से शिकायत कर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इलाके में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

30 जून तक कराएं ई-केवाईसी, नहीं तो रुक सकती है पीएम-किसान की अगली किस्त

क्यूँ न लिखूँ सच / पीलीभीत। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के क्रम में पीएम-किसान सम्मान निधि योजना के सभी लाभार्थियों के लिए वार्षिक ई-केवाईसी कराना अनिवार्य कर दिया गया है। उप कृषि निदेशक ने बताया कि योजना को पारदर्शी बनाने, डाटा लीक रोकने तथा केवल वास्तविक एवं जीवित किसानों को ही योजना का लाभ दिलाने के उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की गई है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी पात्र किसान 30 जून 2026 से पहले अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी करा लें, अन्यथा आगामी किस्तों का भुगतान रोका जा सकता है और किसान अपात्र श्रेणी में आ सकता है। विभाग के अनुसार लाभार्थी किसान दो माध्यमों से ई-केवाईसी करा सकते हैं। पहला, बायोमेट्रिक ई-केवाईसी, जिसके लिए किसान अपने नजदीकी जन सेवा केंद्र पर जाकर बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन के माध्यम से प्रक्रिया पूरी करा सकते हैं। दूसरा, फेशियल ई-केवाईसी, जिसे पीएम किसान मोबाइल ऐप अथवा ग्राम नोडल अधिकारी एवं फील्ड कर्मियों की सहायता से पूरा किया जा सकता है। कृषि विभाग ने सभी किसानों से अपील की है कि अंतिम तिथि का इंतजार न करें और समय रहते ई-केवाईसी पूर्ण कराकर योजना का लाभ निर्बाध रूप से प्राप्त करते रहें।

दहेज हत्या में पिता-पुत्र गिरफ्तार, अन्य की तलाश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। दहेज हत्या के मामले में कैंट पुलिस महिला के पति आकाश और ससुर होमगार्ड जगदीश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जबकि अन्य चार की तलाश में टीम लगी है। मृतिका वंदिता के पिता ने दामाद आकाश समेत छह लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। वहीं आरोपी ससुराल पक्ष ने पुलिस को बताया कि वंदिता ने किसी बात से क्षुब्ध होकर फांसी लगा ली थी। कैंट के गांव चौबारी निवासी जगदीश के बेटे आकाश का प्रेम विवाह भमोरा थाना क्षेत्र के मिलक मझारा गांव निवासी कृष्णपाल की बेटी वंदिता से हुआ था। मंगलवार की रात वंदिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। जिसमें मृतिका के पिता कृष्णपाल पुत्र नेतराम ने दहेज हत्या का आरोप लगाकर कैंट थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था, शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग उनकी बेटी वंदिता को दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे थे। जब मांग पूरी नहीं हुई तो उसकी हत्या कर दी गई। कैंट पुलिस ने इस मामले कृष्णपाल की तहरीर पर वंदिता के पति आकाश, ससुर जगदीश, सास रुपदेई, विजय, उमेश और सचिन के खिलाफ दहेज हत्या में मुकदमा दर्ज किया था। गुरुवार को पुलिस ने आकाश और उसके होमगार्ड पिता जगदीश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इंस्पेक्टर संजय धीर का कहना है, दहेज हत्या प्रकरण में महिला के पति आकाश और ससुर जगदीश की गिरफ्तारी हो गई है। मुकदमें में नामजद अन्य को भी जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। गिरफ्तारी को टीम लगी है।

हत्या के वांछित आरोपी को सीबीगंज पुलिस ने दबोचा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना सीबीगंज पुलिस ने हत्या के मामले में फरार चल रहे वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस के अनुसार ग्राम जोगीठेर में शराब के नशे में हुए विवाद के बाद हरिओम भिटवारी पर लाठी-डंडों से हमला किया गया था, जिसमें उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई थी। मामले में पहले एक आरोपी को जेल भेजा जा चुका है। अब पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर पस्तौर मोड़ के पास से वांछित आरोपी रामदास कश्यप को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

रामगंगा नहाने के दौरान चार किशोर बहे, तीन को बचाया, एक की डूबकर मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । फरीदपुर इलाके में बीते दिवस रामगंगा नदी में नहाने आए चार किशोर तैरकर नदी पार करते समय तेज बहाव के चलते

डूबने लगे। वहां मौजूद लोगों ने तीन को तुरंत ही बचा लिया। चौथे को करीब दो घंटे बाद खोजा जा सका। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। भमोरा थाना क्षेत्र के हिम्मतपुर गांव के पास ही रामगंगा नदी बहती है। बृहस्पतिवार दोपहर गांव निवासी एकलव्य उर्फ ओम (16), बड़े भाई अश्विनी (17) व गांव के ही रजत (12) व सुमित (16) के साथ नदी में नहाने गया था। नहाते समय चारों किशोर तैरकर नदी पार करके फरीदपुर थाना क्षेत्र के गोविंदपुर गांव की तरफ आने लगे। बरेली के फरीदपुर इलाके में बृहस्पतिवार को रामगंगा नदी में नहाने आए चार किशोर तैरकर नदी पार करते समय तेज बहाव के चलते डूबने लगे। वहां मौजूद लोगों ने तीन को तुरंत ही बचा लिया। चौथे को करीब दो घंटे बाद खोजा जा सका। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह को राष्ट्रीय लोक दल ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। राष्ट्रीय लोकदल बरेली द्वारा शुक्रवार को भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरन सिंह की 39 वीं पुण्यतिथि पर कचहरी स्थित चौधरी चरण सिंह पार्क में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी में नेताओं ने चौधरी चरण सिंह के किसान हितैषी विचारों और संघर्षों को याद किया। नि. जिलाध्यक्ष मो. मतलूब एडवोकेट ने कहा कि चौधरी साहब ने अपना पूरा जीवन किसानों, मजदूरों और गांवों के विकास के लिए समर्पित कर दिया। कार्यवाहक जिलाध्यक्ष विजय बहादुर सक्सेना, प्रदेश सचिव सर्वेश पाठक और युवा जिलाध्यक्ष सुमित चौधरी ने भी उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के बाद भीषण गर्मी को देखते हुए शरबत वितरण भी किया गया। इस दौरान शहादत हुसैन, नवनीत सिंह, वाहिद अली, मुस्तफा खान, शाकिर मंसूरी, तौफीक मंसूरी, परमेश्वरी कश्यप, जमुना प्रसाद, कमलकांत, सिराज हुसैन, अख्तर राजा, राजरानी, कुसुम देवी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं किसान मौजूद रहे।

संस्कार समर कैम्प में बच्चों को मिले श्रेष्ठ संस्कारों के संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। चौपला रोड स्थित ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र में आयोजित तीन दिवसीय संस्कार समर कैम्प का समापन उत्साहपूर्वक हुआ, जिसमें 100 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को नैतिक मूल्य, योग, पर्यावरण संरक्षण एवं अच्छे संस्कारों की प्रेरणा दी गई। इस अवसर पर बरेली कैन्ट विधायक संजीव अग्रवाल ने बच्चों को माता-पिता व बड़ों का सम्मान करने और अच्छे संस्कार अपनाने का संदेश दिया। बीके नीता बहन जी ने कहा कि बाहरी सुंदरता से अधिक अंदरूनी गुण महत्वपूर्ण होते हैं। वहीं बीके पारुल बहन ने बच्चों को म्यूजिकल एक्सरसाइज व क्रिएटिव योग कराया। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए एक-एक पौधा भेंट किया गया।

गर्भवती के प्रसव के लिए चल रहा इधर से उधर रेफर करने का खेल, भड़के डीएम, जताई नाराजगी

जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक में प्रसव के दौरान सर्जरी के बिंदु पर जब बात आई तो वे दंग रह गए। उन्होंने असंतोष व्यक्त करते हुए सीएमएस से दीनदयाल अस्पताल की चारों सर्जन के काम की समीक्षा कर उनमें सुधार के लिए कहा।अलीगढ़ जिले में गर्भवती महिलाओं की प्रसव के दौरान सर्जरी की जरूरत पर कहीं न कहीं रेफरल का खेल चल रहा है। तभी तो स्वास्थ्य समिति की मासिक समीक्षा में तथ्यों के आधार पर डीएम भड़क उठे। उन्होंने दीनदयाल संयुक्त अस्पताल में चार महिला सर्जन होने के बावजूद अप्रैल में महज 27 सर्जरी पर नाराजगी जताई है। इसे लेकर सीएमएस को सुधार के निर्देश दिए हैं। इसके विपरीत महिला अस्पताल में चार सर्जन ने कुल 82 ऑपरेशन किए हैं।जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक में प्रसव के दौरान सर्जरी के बिंदु पर जब बात आई तो वे दंग रह गए। उन्होंने असंतोष व्यक्त करते हुए सीएमएस से दीनदयाल अस्पताल की चारों सर्जन के काम की समीक्षा कर उनमें सुधार के लिए कहा। कहा कि चार सर्जन में इतनी कम सर्जरी स्वीकार्य नहीं हैं। संस्थागत प्रसव के मामले में भी दीनदयाल अस्पताल पिछड़ा हुआ है। बाकी महिला अस्पताल व मेडिकल कॉलेज में सर्वाधिक संस्थागत प्रसव हो रहे हैं। जिले के अन्य केंद्रों पर भी औसत के अनुसार प्रसव हो रहे हैं।कौन एएनएम करा रहीं रेफर, मांगी सूची डीएम ने समीक्षा में मार्च में उठे विषय कौन एएनएम प्रसव के लिए महिलाओं को निजी अस्पतालों में रेफर करा रही हैं। इस पर भी समीक्षा की। सीएमओ स्तर से जानकारी दी गई कि इस संबंध में एनएचएम के जिला कार्यक्रम प्रबंधक स्तर से ब्योरा जुटाया जा रहा है, जिसमें यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि जननी सुरक्षा योजना के बावजूद कौन-कौन एएनएम प्रसव व सर्जरी के लिए प्रसूताओं को निजी अस्पतालों में भेज रही हैं। ये है आंकड़ा- 203 जेएन मेडिकल कॉलेज में, 82 महिला जिला अस्पताल में, 27 दीनदयाल संयुक्त अस्पताल में, सीएचसी जवां में 20, इगलास में 13, अकराबाद में 16, 100 शैय्या अतरौली में 11, सीएचसी अतरौली में 13, खैर में सात, छर्रा में चार, गभाना में तीन प्रसव सीजर से किए।इनमें जेएन मेडिकल कॉलेज का आंकड़ा स्पष्ट नहीं, महिला जिला अस्पताल व दीनदयाल संयुक्त अस्पताल में 4-4 सर्जन हैं। बाकी जगहों पर 1-1 हैं, जबकि छर्रा-इगलास में सर्जन की तैनाती नहीं, वहां जरूरत पर दूसरी जगह से बुलाए जाते हैं। संस्थागत प्रसव की बात करें तो मेडिकल कॉलेज व महिला अस्पताल में सर्वाधिक प्रसव का आंकड़ा है। दीनदयाल अस्पताल में बहुत कम व अन्य सीएचसी पर भी कम है, जिनमें गोंडा, छर्रा व जलाली में संस्थागत प्रसव के आंकड़े में गिरावट आई है।

पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए विभागों को मिली जिम्मेदारी, 28 जून से शुरू होगा जिलेभर में विशेष अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जनपद में 28 जून से शुरू होने वाले पल्स पोलियो अभियान को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने के लिए सभी विभागों को जरूरी निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि अभियान के पहले दिन स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों पर विशेष पोलियो बूथ लगाए जाएंगे। सभी विद्यालय सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक खुले रहेंगे और जहां बूथ लगेंगे वहां मिड-डे मील की व्यवस्था भी की जाएगी। उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने और पांच वर्ष तक के बच्चों को बूथ तक लाने के निर्देश दिए। वहीं ग्राम प्रधानों, वार्ड सदस्यों और धार्मिक स्थलों के उद्घोषणा तंत्र के जरिए भी अभियान का प्रचार-प्रसार कराया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह ने बताया कि जिले में करीब 7 लाख बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। बूथ दिवस के बाद 29 जून से घर-घर जाकर छूटे बच्चों को दवा पिलाई जाएगी, जबकि 6 जुलाई को मॉप-अप राउंड चलेगा। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. प्रशांत रंजन ने बताया कि अभियान के लिए 2823 बूथ और 1732 टीमें लगाई गई हैं।

खेत तालाब योजना से किसानों को मिलेगा लाभ, ऑनलाइन आवेदन शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच / पीलीभीत । भूमि संरक्षण अधिकारी कौशल किशोर ने बताया कि कृषि विभाग द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत पर ड्रॉप मोर ड्रॉप योजना के तहत खेत तालाब योजना संचालित की जा रही है। योजना का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाने तथा जल संरक्षण को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि किसान कृषि विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन टोकन के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य है तथा किसानों को 1000 रुपये टोकन मनी जमा करनी होगी। योजना के तहत प्रत्येक तालाब का मानक आकार 22 मीटर लंबा, 20 मीटर चौड़ा और 3 मीटर गहरा निर्धारित किया गया है। एक तालाब की कुल लागत 1.05 लाख रुपये है, जिसमें किसानों को 50 प्रतिशत यानी 52,500 रुपये का अनुदान डीबीटी के माध्यम से दो किस्तों में दिया जाएगा। पहली किस्त 39,375 रुपये तालाब की खुदाई पूरी होने पर तथा दूसरी किस्त 13,125 रुपये इनलेट और डिस्प्ले बोर्ड लगाने के बाद दी जाएगी। इसके अलावा पम्पसेट खरीदने पर भी 50 प्रतिशत या अधिकतम 15 हजार रुपये का अनुदान मिलेगा। उन्होंने बताया कि योजना में किसानों का चयन पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। वर्ष 2026-27 में जनपद पीलीभीत को कुल 12 तालाबों का लक्ष्य मिला है, जिसमें 10 सामान्य वर्ग तथा 2 अनुसूचित जाति वर्ग के लिए निर्धारित हैं।

भीषण आंधी-तूफान के बीच पूरी रात सड़कों पर रहे डीएम-एसपी, राहत एवं बचाव कार्यों की कमान संभाली

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / आपदा की घड़ी में प्रशासन बना सहारा, प्रभावित क्षेत्रों का किया स्थलीय निरीक्षण दो मृतकों के परिजनों को तत्काल सहायता, घायलों के उपचार एवं क्षति आंकलन के निर्देश जनपद में 28 मई की रात्रि आए भीषण आंधी-तूफान, तेज वर्षा एवं बिजली कड़कने की घटना के बाद जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह पूरी रात फील्ड में सक्रिय रहे। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने जनपद के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया तथा राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी की। प्रशासन ने आपदा की इस चुनौतीपूर्ण घड़ी में त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रभावित परिवारों तक सहायता पहुंचाने की प्रक्रिया तत्काल शुरू कर दी। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने राजकीय मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल सहित अन्य स्वास्थ्य संस्थानों का निरीक्षण कर चिकित्सकीय व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देश दिए कि सभी आवश्यक सेवाएं निर्बाध रूप से संचालित रहें तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त दवाएं, बेड, बिजली बैकअप एवं मानव संसाधन उपलब्ध रहें। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी दैनिक क्षति सूचना के अनुसार भीषण आंधी-तूफान की घटना में जनपद में दो लोगों की दुखद मृत्यु हुई है। शासन की निर्धारित व्यवस्था के अंतर्गत मृतकों के आश्रितों को 4-4 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इसके अतिरिक्त 23 पशुओं की क्षति, 7 व्यक्तियों के घायल होने तथा 45 मकानों के आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त होने की सूचना प्राप्त हुई है। कुल 12.88 लाख से अधिक की राहत सहायता प्रभावित परिवारों को प्रदान किए जाने हेतु प्रस्तावित की गई है। जिलाधिकारी ने राजस्व, स्वास्थ्य, विद्युत, पुलिस एवं नगर निकाय विभागों को समन्वित रूप से कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा राहत कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप आपदा प्रभावित प्रत्येक नागरिक तक समयबद्ध सहायता पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।जिलाधिकारी ने बताया कि आंधी-तूफान के कारण कई स्थानों पर विद्युत पोल एवं लाइनें क्षतिग्रस्त हुई हैं, जिनका सर्वे एवं मरम्मत कार्य युद्धस्तर पर कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर से प्राप्त मौसम चेतावनियों के प्रभावी प्रचार-प्रसार, मुनादी एवं जनजागरूकता के कारण संभावित क्षति को काफी हद तक कम किया जा सका है।प्रशासन की सतत निगरानी, त्वरित कार्रवाई एवं पूरी रात फील्ड में मौजूद रहकर किए गए प्रयासों के चलते जनपद में स्थिति नियंत्रण में है तथा राहत एवं पुनर्वास कार्य निरंतर जारी हैं।

ग्राम कांकर में पहली बार पहुंचे कलेक्टर, ग्रामीणों से सीधे संवाद कर जानी समस्याएं

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकमसिंह रघुवंशी/विदिशा- विदिशा जिले के कुरवाई तहसील क्षेत्र के ग्राम करमेडी, माला मेहलुआ, भौरासा एवं कांकर में आज कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने भ्रमण कर ग्रामीणों से सीधे संवाद स्थापित किया। इस दौरान उन्होंने गांवों में पहुंचकर आमजन की मूलभूत समस्याओं को सुना तथा संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही निराकरण के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याओं एवं आवश्यकताओं से कलेक्टर को अवगत कराया। कलेक्टर श्री गुप्ता ने भ्रमण के दौरान ग्रामीणों से विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन एवं हितलाभ की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।ग्राम कांकर में कलेक्टर के पहुंचते ही ग्रामीणों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव में पहली बार कोई कलेक्टर पहुंचा है। ग्रामीणों ने कलेक्टर का आत्मीय स्वागत ग्रामीणों के द्वारा किया।

हमीरपुर जिले में निर्माणाधीन पुल ढहने से 6 मजदूरों की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ हमीरपुर, उत्तर प्रदेश = हमीरपुर जिले में निर्माणाधीन पुल ढहने से 6 मजदूरों की मौत भीषण आंधी-तूफान और बारिश के बीच निर्माणाधीन पुल का स्लैब गिरा,

बेतवा नदी पर बन रहे पुल का हिस्सा ढहने से छह मजदूरों की दर्दनाक मौत, मलबे में दबे मजदूरों को निकालने के लिए SDRF, पुलिस और प्रशासन चला रहा रेस्क्यू, एक मजदूर के अभी भी मलबे में दबे होने की आशंका, सदर एसडीएम अभिषेक प्रकाश सहित प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद, ललपुरा क्षेत्र के मोराकंदर और कुरारा क्षेत्र के नैथी गांव को जोड़ने के लिए बन रहा था पुल, जिले भर में आंधी-तूफान से भारी तबाही, कई जगह पेड़ गिरे और बिजली आपूर्ति हुई बाधित, तेज बारिश और तूफान से जनजीवन प्रभावित, राहत एवं बचाव कार्य जारी..

संक्षिप्त समाचार

31 मई को पांच केद्रो पर होगी बीएड प्रवेश परीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / आज जिलाधिकारी अवनीश राय ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा 2026 की तैयारियों के संबंध में आहूत बैठक की अध्यक्षता करते हुए परीक्षा को सुचिता पूर्ण, शांतिपूर्ण व सकुशल रूप से संपन्न कराने के निर्देश दिए। बीएड प्रवेश परीक्षा के लिए जनपद में पांच परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं जिसमें कुल 2160 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आहूत बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि प्रवेश परीक्षा के संबंध में प्राप्त सभी दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए तथा सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने बताया कि परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र पर केंद्र व्यवस्थापक, स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती भी की गई है। उन्होंने परीक्षा के सफल संचालन के लिए पार्किंग व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, साफ सफाई व्यवस्था, फ्रिस्किंग व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरा व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था आदि विभिन्न व्यवस्थाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार ने बताया कि 31 मई 2026 दिन रविवार को उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा 2026 के लिए पांच परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें नेहरू मेमोरियल शिव नरायन दास पीजी कालेज, केदारनाथ महिला इंटर कालेज, राजकीय डिग्री कालेज, पीएमश्री राजकीय कन्या इंटर कालेज व एसके इंटर कालेज हैं। जिसमें 2160 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। प्रत्येक दो केन्द्रों पर एक केन्द्र प्रतिनिधि भी नियुक्ति किया गया है। उन्होंने बताया कि परीक्षा दो पालियों में होगी। जिसमें प्रथम पाली प्रात: 9:00 से मध्यान्ह 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपरान्ह 2:00 बजे से 5:00 तक होगी। उन्होंनें बताया कि परीक्षा केंद्र पर बायोमेट्रिक उपस्थिति ली जाएगी तथा सीसीटीवी कैमरा की भी व्यवस्था होगी। उन्होंने बताया कि इस बार की परीक्षा बुंदेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कराई जा रही है। इस अवसर पर केंद्र व्यवस्थापक, स्टेटिक मजिस्ट्रेट व ऑब्जर्वर आदि उपस्थित रहे।

शाम के समय तहसील परिसर में नीम के पेड़ में लगी अचानक लगी आग

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / आग की तेज लपटे देख आस पास के लोगों में हड़कंप, फायर बिग्रेड की गाड़ी मौके पर पहुंची बुझी आग बड़ा हादसा टला. कोंच(जालौन)। तहसील परिसर के पास लेखपाल कक्ष बना हुआ है ठीक उसी के पीछे एक बड़ा पुराना नीम का पेड़ भी लगा है आज शाम के समय उस पेड़ के पास कूड़ा भी इकट्ठा पड़ा था माना जा रहा की उस पड़े कूड़े में अचानक आग लग गई और आग ने विकराल रूप धारण कर नीम के पेड़ को अपनी चपेट में ले लिया देखते देखते उस पेड़ में भीषण आग लग गई और पेड़ धूं धूं कर जलने लगा जब लोगो ने इस पेड़ में लगी आग के बारे में स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों को सूचना दी तो मौके पर एसडीएम हेमंत पटेल सीओ परमेश्वर प्रसाद कोतवाल ब्रजेश बहादुर सिंह आदि पुलिस बल मौके पर पहुंचा और इस आग लगने पर फायर स्टेशन को खबर दी मौके पर फायर बिग्रेड की गाड़ी पहुंची और फायर मैनो ने कड़ी मशक्कत के बाद लगी आग बुझाने का काम किया अगर यह आग कही और पहुंच जाती तो निश्चित ही बड़ा हादसा हो सकता था क्यों कि तहसील कार्यालय सीओ कार्यालय आदि ऑफिस बगल में ही थे फिलहाल आग बुझने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली है यह आग कैसी लगी इसकी भी जांच होनी चाहिए।

कुदारी गांव में मार पीट में लहूलुहान कर दिया युवक को

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / (जालौन)। कोंच सर्किल के थाना कैलिया में तहरीर देते हुये तुलाराम पुत्र छदामी बरार निवासी ग्राम कुदारी थाना कैलिया ने बताया है कि घटना दिनांक 26 मई की रात नो बजे की है में घर पर था मेरा लड़का प्रशांत उर्फ किसमिस और मेरे नाती अनिल कुमार गांव में गया तो वहां क्लू पुत्र नन्नाई बरार राम केश पुत्र नन्नाई बरार गोधन पुत्र क्लू बरार रोहित पुत्र राम केश बरार निवासी ग्राम कुदारी ने गाली गलौज की तो मेरा लड़का प्रशांत उर्फ किसमिस ने मना किया तो उक्त लोग लाठी डंडा लेकर सीधा आकर मारपीट करने लगे उक्त लोगों ने मिलकर मेरे लड़के नाती को बुरी तरह पटक कर मारा पीटा में शोर सुनकर मौके पर पहुंचा तो मैने बीच बचाव कराया जिसमें मेरे लड़के प्रशांत उर्फ किसमिस के सिर माथे पर चोट आई है और वह लहूलुहान हो गया है और उक्त लोग जान से मारने की धमकी दे रहे है।

मां की ममता पहले छिनी, अब पिता का साया भी उठा, अनाथ हो गए तीन बच्चे; सबके मन में सवाल- कौन बनेगा सहारा?

स्कूल संचालक महेंद्रपाल की मौत से तीन बच्चे अनाथ हो गए। वे पहले ही अपनी दोनों माताओं को खो चुके थे। अब पिता का साया भी उठ गया। परिजनों को बच्चों की परवरिश की चिंता है। स्कूल संचालक महेंद्रपाल की मौत के बाद तीनों बच्चे अनाथ हो गए। अपनी सगी मां को बचपन में ही खो दिया। पिता ने दूसरी शादी की, लेकिन इन बच्चों को दूसरी मां का साथ भी अधिक दिनों तक नहीं मिल सका। अब पिता का भी साया सिर से उठ गया। तीनों बच्चों की परवरिश को लेकर परिजनों में चिंता है। हंसता-खेलता परिवार ऐसे मोड़ पर आ गया, जहां दुखों के सिवा कुछ नहीं रह गया। महेंद्रपाल की जिंदगी में दुखों का सिलसिला काफी पुराना है। ग्रामीणों के मुताबिक, महेंद्रपाल को अपनी जिंदगी को संवारने और बच्चों की परवरिश के लिए दो शादियां करनी पड़ीं, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। पहली शादी बहेड़ी निवासी सरला देवी से हुई थी। करीब आठ वर्ष पूर्व सरला देवी की बीमारी से मृत्यु हो गई। उनसे चार बच्चे पुत्री प्रभा (17), सुधा (16) और दो जुड़वां पुत्र राम और लखन (8 वर्ष) हुए। लखन की लगभग एक वर्ष पूर्व मृत्यु हो गई। पहली पत्नी की मौत के बाद बच्चों की देखभाल और अकेलेपन को दूर करने के लिए महेंद्रपाल ने करीब छह साल पहले छिनकी (बहेड़ी) की रहने वाली रिंकी से दूसरी शादी की, लेकिन दुखों ने यहां भी पीछा नहीं छोड़ा। करीब तीन साल पहले रिंकी की भी मौत हो गई। दोनों माताओं को खोने के बाद तीनों बच्चे अपने पिता महेंद्रपाल के सहारे रह रहे थे। बड़ी बहनें मिलकर छोटे भाई राम को संभालती रहीं हैं। चार दिन पहले धान का बीज लेने की बात कहकर निकले महेंद्रपाल के वापस लौटने की बच्चे प्रतीक्षा करते रह गए। पिता की मौत से बदहवास हो गए तीनों बच्चे - बृहस्पतिवार को जैसे ही महेंद्रपाल का शव मिलने की सूचना गांव पहुंची तो तीनों बदहवास हो गए। पिता की मौत ने इन मासूमों के भविष्य पर सवालिया निशान लगा दिया है। बेटियों की शादी और बेटे की परवरिश कैसे होगी? परिजनों को यही चिंता सता रही है। बरेली की महिला कौन, जो अक्सर गांव में आकर करती थी हंगामा- ग्रामीणों में चर्चा है कि जब महेंद्र पाल का बेटा लखन बीमार हुआ तो इलाज के लिए वह ऋषिकेश ले गए। वहां के अस्पताल में इलाज के दौरान बरेली की एक महिला से उनकी जान पहचान हो गई। वह महिला भी अस्पताल में अपने एक परिजन का इलाज करा रही थी। बताते हैं कि दोनों में प्रेम प्रसंग हो गया था। बाद में वह महिला कई बार गांव आई और हंगामा किया। उस महिला को लेकर महेंद्र पाल अक्सर परेशान हो जाता था। अब किसके सहारे कटेंगी बच्चों की राहें- दो-दो माताओं को खोने के बाद तीनों बच्चे अपने पिता महेंद्रपाल के सहारे जी रहे थे। बच्चों को उम्मीद थी कि पिता कमाकर लौटेंगे और उनका घर फिर से सामान्य होगा। लेकिन गुरुवार को जैसे ही महेंद्रपाल का शव मिलने की खबर गांव पहुंची, तीनों बच्चों के पैरों तले जमीन खिसक गई। घर में अब केवल रोने-बिलखने की आवाजें आ रही हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि 17 साल की प्रभा, 16 साल की सुधा और महज 8 साल के मासूम राम का पालन-पोषण अब किसके सहारे होगा? पिता की मौत ने इन मासूमों के भविष्य पर एक बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है। बेटियों की शादी और बेटे की परवरिश आखिर कैसे होगी। एसपी सुकीर्ति माधव मिश्रा ने बताया कि घटनाक्रम के खुलासे के लिए टीम को लगाया गया है।

मानसून मंदिर: 'जब रोता है पत्थर, तब बरसते हैं इंद्रदेव', गर्भगृह में टपकती हैं बूंदें, 400 साल का है ये रहस्य

एक ऐसा मंदिर, जो आसमान में बादल छाने से कई दिन पहले ही बता देता है कि देश में मानसून कैसा रहेगा! उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में भीतरगांव ब्लॉक के बेहटा बुजुर्ग गांव में भगवान जगन्नाथ जी का मंदिर इन दिनों फिर से पूरी दुनिया में कौतूहल का विषय बना हुआ है।क्या आप एक ऐसे मंदिर के बारे में जानते हैं जिसके सामने आधुनिक विज्ञान, बड़े-बड़े सुपर कंप्यूटर और मौसम वैज्ञानिकों की अत्याधुनिक भविष्यवाणियां भी घुटने टेक देती हैं? एक ऐसा मंदिर, जो आसमान में काले बादलों का नामोनिशान छाने से कई दिन पहले ही यह बता देता है कि इस वर्ष देश में मानसून का मिजाज कैसा रहेगा! उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में भीतरगांव ब्लॉक के बेहटा बुजुर्ग गांव में स्थित अति प्राचीन और चमत्कारी भगवान जगन्नाथ जी का मंदिर इन दिनों फिर से पूरी दुनिया में कौतूहल और आस्था का सबसे बड़ा केंद्र बना हुआ है।तपती दोपहरी, आसमान से बरसती आग और नौतपा की चिलचिलाती गर्मी के बीच, जहां आम इंसान और पशु-पक्षी बेहाल हैं, वहीं इस रहस्यमयी मंदिर ने देश में मानसूनी बारिश नजदीक होने का सबसे सटीक और पुख्ता संकेत दे दिया है। मंदिर के गर्भगृह के शिखर से बीती 26 मई से पानी की इक्का-दुक्का बूंदें टपकना शुरू हो गई हैं, जिसने ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी ला दी है।नौतपा के बीच मिला झमाझम बारिश का संकेत- मंदिर के गर्भगृह के शिखर पर एक बेहद दुर्लभ और रहस्यमयी आयताकार पत्थर लगा है। इस पत्थर की महिमा और बनावट ऐसी है कि जब बाहर भीषण गर्मी अपने चरम पर होती है, तब इस पत्थर पर पानी की छोटी-छोटी बूंदें उभरने लगती हैं। ग्रामीण इस पत्थर को प्रकृति का अनूठा %मौसम विज्ञान केंद्र% मानते हैं। मानसूनी बारिश आने के तकरीबन बीस दिन पहले इस मंदिर की छत से बूंदें टपकने लगती हैं।इस तारीख से बरसेंगे बदरा- फिलहाल इन मानसूनी बूंदों का आकार और घनत्व अभी छोटा है, लेकिन एक सप्ताह बाद इन बूंदों का आकार बड़ा होने का अनुमान है। मंदिर के इस प्राचीन और अचूक गणित के अनुसार, इलाके में आगामी 20 से 25 जून के बीच झमाझम मानसूनी बारिश शुरू होने का पुख्ता अनुमान है। ग्रामीणों का अटूट विश्वास है कि पत्थर से गिरने वाली बूंदों का घनत्व जितना अधिक होगा, इंद्रदेव उतने ही मेहरबान होंगे और बारिश उतनी ही मस्त होगी।पहली बारिश होते ही पूरी तरह सूख जाता है यह रहस्यमयी पत्थर- इस अटूट चमत्कार की सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि मानसून आने के 20 दिन पहले टपकने वाला यह पत्थर, बाहर पहली बारिश की फुहार पड़ते ही अंदर से पूरी तरह सूख जाता है। विज्ञान कहता है कि इस बार मानसून लेट होगा या सूखा पड़ेगा, और कई बार विज्ञान की ये बातें गलत भी साबित हो जाती हैं; लेकिन इस मंदिर की भविष्यवाणी कभी फेल नहीं होती।यदि पत्थर से टपकने वाली बूंदें छोटी हैं, तो सूखा पड़ने का अंदेशा होता है और अगर बूंदें बड़ी हैं, तो समझो भारी बारिश होने वाली है। सदियां बीत गईं, तकनीक बदल गई, लेकिन इस मानसूनी पत्थर का रहस्य आज भी उतना ही अटूट है, जिसे देखकर बड़े-बड़े मौसम वैज्ञानिक भी भौचक्के रह जाते हैं।9वीं सदी का बौद्ध मठनुमा आकार और सात समंदर पार से आते विदेशी- भगवान जगन्नाथ मंदिर की आयु का सटीक आकलन आज तक कोई नहीं कर पाया है। पुरातत्व विभाग के कई सर्वेक्षणों के बाद भी इसके निर्माण को लेकर कोई स्पष्ट ऐतिहासिक प्रमाण नहीं मिले हैं। बौद्ध मठ के आकार में बने इस मंदिर की दीवारें करीब 14 फीट मोटी हैं। इसके गर्भगृह में भगवान जगन्नाथ, बलदाऊ और बहन सुभद्रा की काले चिकने पत्थरों की भव्य और अलौकिक मूर्तियां स्थापित हैं।9वीं सदी से अजूबा बना है जगन्नाथ मंदिर- भगवान जगन्नाथ मंदिर की आयु का सटीक आकलन कोई नहीं कर पाया है पुरातत्व विभाग के कई सर्वेक्षण के बाद भी यह कब और किसने बनवाया, इसका कोई स्पष्ट ऐतिहासिक प्रमाण नहीं मिले। बौद्ध मठ के आकार में बने इस मंदिर की दीवारें करीब 14 फीट मोटी हैं। इसके गर्भगृह में भगवान जगन्नाथ, बलदाऊ और बहन सुभद्रा की काले चिकने पत्थरों की भव्य मूर्तियां स्थापित हैं मंदिर के बाहरी हिस्से पर बने मोर के निशान और चक्र को देखकर इसे राजा हर्षवर्धन कालीन 9वीं सदी के होने का अंदाजा लगाया जाता है, जिसका जीर्णोद्धार 11वीं शताब्दी के आसपास हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

शादी के 26वें दिन पति ने दी जान: शाम में पत्नी ने की ऐसी हरकत, जो युवक से न हुई बर्दाश्त, रात में लगा ली फांसी

मरोहा में शादी के 25 दिन बाद पति ने आत्महत्या कर ली। नवविवाहिता से कहासुनी के दौरान कड़वे शब्द सुनकर वह बर्दाश्त नहीं कर सका। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां शादी के 25 दिन बाद पति से कहासुनी होने पर नवविवाहिता ने ऐसे कड़वे शब्दों का प्रयोग किया, जिन्हें पति बर्दाश्त नहीं कर सका और फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने बिना कार्रवाई शव का अंतिम संस्कार कर दिया।आदमपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक साप्ताहिक बाजार में सब्जी बेचने का काम करता था। 25 दिन पहले उसकी शादी सैदनगली थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती से हुई थी। बताते हैं कि नवदंपती में शादी के दो दिन बाद से ही किसी बात को लेकर मनमुटाव शुरू हो गया था। बुधवार शाम को भी दोनों में किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। परिजनों ने बताया कि कहासुनी के दौरान नवविवाहिता ने गुस्से में पति को ऐसा ताना मारा दिया, जिन्हें वह बर्दाश्त नहीं कर सका और रात में किसी समय कमरे में ही फंदे पर लगाकर आत्महत्या कर दी। बृहस्पतिवार की सुबह को कमरे में उसका शव फंदे पर लटका मिला। युवक दो भाइयों में छोटा था। परिजनों ने बिना कार्रवाई शव का अंतिम संस्कार कर दिया। सीओ पंकज कुमार त्यागी ने बताया कि इस मामले में कोई सूचना नहीं मिली है।

मटेरा थाना प्रभारी हरिकेश सिंह ने आग की लपटों में कूदकर बचाई ग्रामीणों की जान

क्यूँ न लिखूँ सच / बहराइच / बहराइच के मटेरा थाना क्षेत्र के लालपुर शिवपुर (मजरा खाटकनपुरवा) में जब अज्ञात कारणों

से भीषण आग लगी और चीख-पुकार मच गई, तब खाकी का एक ऐसा मानवीय और जांबाज चेहरा सामने आया जिसने हर किसी का दिल जीत लिया। आग की विकराल लपटों और धुएं के बीच मटेरा थाना प्रभारी हरिकेश सिंह ने अपनी जान की परवाह न करते हुए खुद आग में छलांग लगा दी। उन्होंने सूझबूझ और अदम्य साहस का परिचय देते हुए घरों के भीतर फंसे ग्रामीणों को सुरक्षित बाहर निकाला।फायर ब्रिगेड के आने से पहले थाना प्रभारी ने खुद सामने खड़े होकर ग्रामीणों के साथ मिलकर आग बुझाने के काम में कमान संभाली और आग पर काबू पाया। पुलिस अफसर के इस साहसिक और मददगार रूप को देखकर पूरे क्षेत्र के लोग उनकी बहादुरी की जमकर तारीफ कर रहे हैं। संकट के समय देवदूत बने हरिकेश सिंह ने साबित कर दिया कि पुलिस हमेशा जनता की सुरक्षा के लिए तत्पर है।

25 हजार की इनामी बीएसए शालिनी को नहीं मिली राहत, हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत अर्जी खारिज की

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शिक्षक के आत्महत्या मामले में फरार चल रहीं देवरिया के पूर्व बीएसए शालिनी श्रीवास्तव की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। फरार बीएसए के ऊपर 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 25 हजार की इनामी देवरिया की तत्कालीन बेसिक शिक्षा अधिकारी शालिनी श्रीवास्तव की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज करते हुए भ्रष्टाचार और सरकारी तंत्र में अवैध वसूली को लेकर कड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि सरकारी कार्यालयों को आदेश बेचने की खुली दुकान नहीं बनने दिया जा सकता। कोर्ट ने माना कि मामले में लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया गंभीर हैं और जांच में मिले साक्ष्य आवेदिका के खिलाफ आरोपों को समर्थन देते हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति विक्रम डी चौहान की एकलपीठ ने दिया है।

मामला देवरिया के शिक्षक कृष्ण मोहन सिंह की आत्महत्या से जुड़ा है। शिक्षक की पत्नी की ओर से दर्ज एफआईआर में आरोप लगाया गया कि बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में तैनात क्लर्क संजीव सिंह और बीएसए शालिनी श्रीवास्तव ने हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में पक्ष में आदेश पारित करने के बदले तीन शिक्षकों से 16-16 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायत के अनुसार रुपये देने के बावजूद लगातार और धन की मांग तथा मानसिक उत्पीड़न किया गया, जिससे परेशान होकर शिक्षक ने आत्महत्या कर ली। शिक्षकों को मांगी जा रही थी रिश्वत- अभियोजन के अनुसार मृतक कृष्ण मोहन सिंह, ओंकार सिंह और अपर्णा तिवारी वर्ष 2016 में सहायक शिक्षक नियुक्त हुए थे। बाद में उनकी नियुक्तियां निरस्त कर दी गईं, जिसके खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। फरवरी 2025 में हाईकोर्ट ने निरस्तीकरण आदेश रद्द कर मामले पर पुनर्विचार का निर्देश दिया था। आरोप है कि इसी आदेश के अनुपालन के लिए बीएसए कार्यालय में रिश्वत मांगी गई। कोर्ट के समक्ष पेश आत्महत्या पत्र में मृतक ने विस्तार से लिखा कि तीनों शिक्षकों से पहले 20-20 लाख रुपये मांगे गए, बाद में सौदा 16-16 लाख रुपये पर तय हुआ। सुसाइड नोट में यह भी उल्लेख है कि रकम जुटाने के लिए शिक्षकों ने जमीन गिरवी रखी, गहने बैंक में जमा किए और रिश्तेदारों से उधार लिया। मृतक ने लिखा कि लगातार दबाव, अपमान और वसूली से वह टूट चुका था। शिक्षक ने लिखा था चार पन्नों का सुसाइड नोट- जांच के दौरान पुलिस को चार पन्नों का सुसाइड नोट, ऑडियो क्लिप, वीडियो रिकॉर्डिंग और सीसीटीवी फुटेज मिले। एक वीडियो में मृतक ने कथित तौर पर कहा कि 16 लाख रुपये बीएसए मैडम ने ले लिए और इसके बावजूद उसे प्रताड़ित किया जा रहा है। जांच अधिकारी ने सहकर्मी शिक्षक ओंकार सिंह का बयान भी दर्ज किया, जिसमें कथित रिश्वतखोरी की पूरी प्रक्रिया और रकम देने का विवरण सामने आया। शालिनी श्रीवास्तव की ओर से अदालत में दलील दी गई कि उनके खिलाफ कोई प्रत्यक्ष साक्ष्य नहीं है। बचाव पक्ष ने कहा कि सुसाइड नोट में उनका नाम स्पष्ट रूप से नहीं लिखा गया और आत्महत्या के लिए उकसाने का कोई ठोस आरोप नहीं बनता। यह भी कहा गया कि उन्हें पहले ही निलंबित किया जा चुका है और उनका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। हाईकोर्ट ने बीएसए पर की तल्ख टिप्पणी- राज्य सरकार और शिकायतकर्ता की ओर से कहा गया कि जांच में मिले ऑडियो-वीडियो साक्ष्य, गवाहों के बयान और सीसीटीवी फुटेज रिश्वत मांगने और मानसिक उत्पीड़न की पुष्टि करते हैं। अभियोजन ने अदालत को बताया कि मृतक 20 फरवरी 2026 को बीएसए कार्यालय गया था, जहां उसे प्रताड़ित किया गया और अगले दिन उसने आत्महत्या कर ली। कोर्ट ने कहा कि भ्रष्टाचार जैसे गंभीर मामलों में अग्रिम जमानत केवल असाधारण परिस्थितियों में ही दी जा सकती है। अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि यदि भ्रष्टाचार मुक्त समाज सुनिश्चित करने के लिए किसी आरोपी की स्वतंत्रता सीमित करनी पड़े तो अदालतों को इससे हिचकना नहीं चाहिए। कोर्ट ने अपने आदेश में बेहद सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकारी कार्यालयों को आदेश बेचने की खुली दुकान नहीं बनने दिया जा सकता। अदालत ने माना कि मृतक और अन्य शिक्षकों से अवैध धन उगाही के आरोप गंभीर प्रकृति के हैं और उपलब्ध साक्ष्यों से यह नहीं लगता कि आवेदिका को झूठा फंसाया गया है।

Vitamin B12 and folate deficiencies are increasing among Indians. Learn about their impact on men and women.

Both vitamin B12 and folate play a role in vital functions such as blood formation, brain and nerve health, and DNA formation. The risk of these deficiencies is increasing among Indians. Recent studies reveal the does this have on the health of men healthy body is to eat a nutrient-foods in their diet that easily However, numerous reports have nutrients they need for good elements like vitamin B12, iron, vitamin B12 deficiency is a 'silent 47% to 51% of the population. population is affected by folate number of serious problems, the hands and feet. Recent studies and folate deficiencies affect the this. Vitamin B12 and Folate University in Japan revealed that associated with elevated blood fatigue in men and lack of vitamin B12, folate, and fatigue in

complications caused by these deficiencies. What impact and women? The most effective way to maintain a rich diet. Health experts say everyone should include provide the body with the necessary nutrients. raised concerns that most Indians are not getting the nutrition. Consequently, deficiencies in essential and folate are rapidly increasing. According to statistics, health crisis' among Indians, affecting approximately Similarly, it is estimated that approximately 37% of the deficiency. Deficiencies in these nutrients can cause a including fatigue, weakness, dizziness, and tingling in have revealed important insights into how vitamin B12 body and their effects on men and women. Let's explore Deficiency - A recent study by Osaka Metropolitan vitamin B12 and folate (vitamin B9) deficiencies are levels of homocysteine. This can cause severe physical motivation in women. "This association between healthy individuals is the first of its kind," said Hiroki Kanouchi, lead researcher of the study. Elevated blood homocysteine ??levels have previously been linked to the risk of heart disease, dementia, and fractures. "Our findings suggest that future research should also focus on fatigue and motivation." It's worth noting that homocysteine ??is an amino acid produced during protein digestion. Deficiency in these vitamins increases its levels, which can increase the risk of heart disease and stroke. What did the study find? Published in the journal Nutrients, the report focused on nutritional problems and water-soluble vitamin deficiencies due to dietary irregularities. Researchers linked folate and vitamin B12 deficiencies to fatigue and focused their study on homocysteine. Homocysteine, folate, and vitamin B12 were measured in over 600 healthy Japanese participants. Fatigue and motivation were assessed in the participants. Preliminary results showed that people with high levels of homocysteine ??in their blood had low levels of vitamin B12 and folate, both men and women. How to address vitamin B12 and folate deficiencies? Vitamin B12 is considered a vital nutrient for red blood cell formation, DNA synthesis, and nerve health. Folate, or vitamin B9, is essential for the formation of new cells and healthy blood formation. It is especially important for pregnant women because it plays a crucial role in the development of the fetus's brain and spinal cord. To supplement B12, it is recommended to consume milk, yogurt, eggs, fish, chicken, and meat. To supplement folate, it is considered beneficial to consume spinach, fenugreek, broccoli, chickpeas, kidney beans, lentils, peanuts, and citrus fruits.

Spider Web Remover: Spider webs will no longer be visible in your home, just try these home remedies.

What are some home remedies to prevent spider webs in your home? White vinegar, peppermint oil, lemon peel, and camphor can be used to prevent spider webs. Regular cleaning and keeping corners dry can also reduce spider often appear in corners, windows, and but are also considered a sign of dirt and rainy and summer seasons, requiring sprays, but their effectiveness only lasts a few you're also troubled by spider webs, some Home remedies like lemon, vinegar, mint, and away. The special thing about these home use. When implemented correctly, spiders will simple and effective home remedies that will will do wonders: Spiders dislike the strong vinegar in a spray bottle. Now spray it around prevent spiders from building webs again. oil will repel spiders: While the smell of mint Prepare a spray by mixing 8-10 drops of mint frequently form. This will keep the house peels are effective: Spiders stay away from

web formation. No matter how clean a home is, spider webs ceilings. These webs not only spoil the beauty of a home insects. Spider webs build rapidly, especially during the frequent cleaning. Many people use expensive chemical days and can sometimes be harmful to children and pets. If simple home remedies can solve this problem permanently. camphor are considered very effective in keeping spiders remedies is that they are inexpensive, safe, and very easy to largely stop building webs in corners. Let's explore some help keep your home clean and free of webs. White vinegar smell of vinegar. For this, mix equal parts water and white corners, windows, and doors. Doing this regularly will This method is considered very easy and economical. Mint may be pleasant to humans, spiders are repelled by it. oil in a cup of water. Sprinkle it in areas where cobwebs fresh and reduce the spider problem. Lemon and orange the smell of citrus fruits. You can place lemon or orange peels on windowsills, in cupboards, and in the corners of rooms. If you wish, rub these peels on the surfaces to clean them. This method is completely natural and also keeps the house smelling good. Camphor is also beneficial: Camphor is not only used for worship, but is also considered very effective in keeping spiders away. Place camphor tablets in the corners of rooms and near cupboards. Its strong scent helps keep spiders away and maintains freshness in the house. Regular cleaning is crucial: If dust and dirt accumulate in the house, spiders build cobwebs quickly. Therefore, thoroughly clean corners, ceilings, and behind furniture at least twice a week. Using a vacuum cleaner can easily remove cobwebs and spider eggs. Cleaning significantly reduces the chances of spiders returning.

Nepal Tourist Train: A luxury tourist train will travel directly from Indore to Nepal. Learn about the fare and the full route.

The starting price of the India-Nepal tour package is ?62,710, with fares going up to ?90,400 depending on the coach category. Travelers can choose a package based on their convenience and budget. Indian Railways is now beautiful valleys and religious sites of time, Indian Railways (IRCTC) has Nepal. This special journey, named from Indore on June 12th. This 10-day of Nepal's most famous cities and with a single package that combines travel experience. The special thing is transportation separately, as the entire will the train visit? This special Bharat tourist and religious sites in Nepal. Pashupatinath Temple, and will have the opportunity to experience up close. Pashupatinath Temple, in devotees. What will the Nepal train fare ?62,710, with fares going up to ?90,400 can choose a package based on their the package? This Nepal travel package

taking travelers to not only India but also the Nepal through a special tourist train. For the first launched the "Bharat Gaurav Tourist Train" for "Pashupatinath Nepal Darshan Yatra," will begin religious and tourist trip will take travelers to many temples. The aim of this train is to provide travelers religious faith, natural beauty, and a comfortable that travelers will not need to book hotels, food, or package includes all amenities. Which destinations Gaurav train will take travelers to many popular These include Kathmandu, Pokhara, Chitwan, Manakamana Temple. During the journey, travelers Nepal's culture, natural beauty, and religious sites particular, is considered very sacred for Hindu be? The starting price of this tour package is depending on different coach categories. Travelers convenience and budget. What will be included in offered by the Railways includes many amenities, such as: train travel, hotel accommodation, meals, sightseeing, transfers, travel insurance, and guided tours. This means travelers don't have to worry about separate bookings or planning. Why is this trip special? The Bharat Gaurav Tourist Train aims to provide a theme-based and comfortable travel experience. People are always excited about traveling to Nepal, as it offers a diverse range of religious sites, as well as its impressive mountains, lakes, and natural scenery. Pokhara's lakes, Kathmandu's cultural heritage, and Chitwan National Park make this trip even more special. The experience of reaching the Manakamana Temple can also prove to be memorable for travelers. Who can book? This trip can be booked through IRCTC. This package is considered an excellent option for religious travelers, family travelers, and those planning to visit Nepal.

Amidst criticism of "Chand Mera Dil," Ananya Panday was spotted in France, saying, "Life is beautiful."

Ananya Panday recently faced criticism for one of her dance sequences in "Chand Mera Dil." Meanwhile, Ananya's first post has now surfaced. Find out how Ananya looked... Actress

Ananya Panday recently appeared in the received mixed reviews from critics. for her Bharatnatyam fusion dance also supported her. However, it seems recently shared photos from her vacation Panday enjoyed her vacation with her several photos from her vacation on sunshine while dining at a restaurant. In including paneer and bread. In some with her sister. In another photo, the two boots. Ananya played Lata Mangeshkar's the post and captioned it, "Life is wrote, "One hit wonder." Ananya This post comes at a time when Ananya "Chand Mera Dil," which has gone viral daughter of a Bharatnatyam dancer. In performing a fusion of Bharatanatyam, Bharatanatyam performance. 'Chand Vivek Soni, 'Chand Mera Dil' stars

recently released film "Chand Mera Dil." The film However, she is being heavily trolled on social media sequence. Meanwhile, her father, Chunky Panday, Ananya hasn't been affected by these criticisms. She in France with her sister, Rysa Panday. Ananya sister - Today, Thursday, Ananya Panday posted Instagram. In one photo, she was seen enjoying the other photos, she was seen savoring various dishes, photos, she was seen enjoying the beautiful scenery sisters were seen posing together wearing matching song "Hum Tere Pyar Mein" in the background of beautiful." Responding to this post, Raisa jokingly performed a fusion dance in a controversial scene - is facing criticism for a dance sequence in the film online. In the film, Ananya plays Chandni, the the controversial scene, her character is seen hip-hop and locking instead of giving a traditional Mera Dil' flopped at the box office - Directed by Ananya Panday and Lakshya in lead roles. It is

produced by Karan Johar's Dharma Productions. This romantic drama is the story of two college students Aarav and Chandni, whose relationship changes when they fall in love with each other. The film received mixed reviews from critics but failed to do well at the box office.

"It's like a crossover athlete," Ram Charan said, "Peddi will impress everyone." Janhvi shared this.

Ram Charan spoke about his upcoming film, "Peddi." Find out why he called "Peddi" a down-to-earth film... Telugu star Ram Charan is currently in the news for his upcoming film,

"Peddi." Regarding the film, Ram identity and he believes it will story of our soil," he told PTI. athlete. It's a very down-to-earth part of such a down-to-earth and everyone. I think we generally any other film. We approach every did for our previous hits." It's not with every film. Janhvi Kapoor Janhvi Kapoor, was also present said, "I think it excites me and gives you the opportunity to Janhvi believes in giving her best "I feel like I'm trying to focus not pressure. I believe it's my opportunity and to perform my something I don't want to dwell by Buchi Babu Sana, "Peddi" his living by mastering various favorite of every child in the landlord, who gives him the

Charan says that "Peddi" is based on rural resonate with people of all generations. "It's a "It's a fusion of three sports. It's like a crossover film, a story of our soil, and I'm happy to be a inspiring story. It's a film that will inspire have to be responsible, whether it's "RRR" or film with the same sincerity and passion as we like it's any extra pressure at all. We do that doesn't feel pressured - The film's lead actress, during the meeting. Regarding her role, Janhvi that's the part of my work I enjoy the most. It explore things outside your comfort zone." in every project without any pressure. She said, more on my work and see it as a responsibility, responsibility to give my best to every best in whatever I'm doing. Pressure is on." "Peddi" will release on June 4th. Directed depicts Peddi as a talented athlete who earns sports like cricket, wrestling, and running. A village, Peddi's growing popularity irks a biggest challenge of his life. The film also stars

Ram Charan, Janhvi Kapoor, Shiva Rajkumar, Jagapathi Babu, Boman Irani, and Divyenndu in pivotal roles. The film is scheduled to release in theaters on June 4th.

"You shouldn't smile," Neha Dhupia was alarmed by a casting director's comment; then something like this happened.

Neha Dhupia recalled how a casting director's comment affected her. Find out how long it took to come out... Bollywood actresses have often spoken about the harsh beauty standards and

comments they faced early in their actress Neha Dhupia has revealed how director's comment on her smile deeply self-confidence and changed her years. The casting director had called bad. Recently, during a recent episode "Double Date," Neha Dhupia recalled of her career. During this, Neha talked comments made in the industry on looks and beauty. Recalling her Neha said, "I was going to audition for very early in my career when I was new to the industry. I was sitting in a director's car, and he looked at me, and said, "You shouldn't smile. You don't when you smile. Your face reflects more you don't smile." Neha didn't smile winning Miss India. Neha said that that a deep impact on her. The actress said, won the Miss India title, but look at my not smiling. It took me 8-10 years to that. He said, 'Your smile doesn't suit also shared that losing the Miss had shaken her confidence, and it took eight to ten months to recover Neha was seen in this series. On the Neha Dhupia was last seen in the web

careers. Now, a casting affected her behavior for Neha's smile of her show the early days about the actresses' experience, a TV show completely casting I smiled. He look good power when even after comment had "After that, I photos, I'm recover from you.'" She Universe title her about emotionally. work front, series

"Perfect Family." Directed by Sachin Pathak, the show was produced by Pankaj Tripathi and starred Gulshan Devaiah, Manoj Pahwa, Seema Pahwa, and Girija Oak. This eight-episode series was a mix of comedy and drama.